Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रुड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा, राजस्थान, पंजाब, बहराइच, रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 108 | गुरुवार, 23 अप्रैल-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

'बाहर निकलो, आप ट्रैफिक जाम करा रहे हैं'

ट्रैफिक जाम पर महिला ने मंत्री को जमकर सुनाया

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

महाराष्ट्र। महाराष्ट्र सरकार के मंत्री गिरीश महाजन को मंगलवार को मुंबई के वर्ली इलाके में महिलाओं के आरक्षण विधेयक को लेकर आयोजित भाजपा के प्रदर्शन के दौरान एक महिला के गुस्से का सामना करना पड़ा। दरअसल मंत्री के विरोध प्रदर्शन के चलते भारी ट्रैफिक जाम हो गया, जिससे परेशान महिला ने मंत्री को जमकर खरी-खोटी सुनाई। यह घटना उस समय हुई जब गिरीश महाजन रैली के दौरान मीडिया से बात कर रहे थे। यह प्रदर्शन लोकसभा में संविधान संशोधन विधेयक पारित न होने को लेकर विपक्षी दलों को घेरने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। इस विधेयक का मकसद विधायी निकायों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करना था।

विपक्षी पार्टियों ने वीडियो साझा कर भाजपा को घेरा

महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने यह वीडियो साझा करते हुए आरोप लगाया कि महिलाओं के आरक्षण पर भाजपा का अभियान उसकी असलियत उजागर कर रहा है। उन्होंने भाजपा पर राजनीतिक फायदे के लिए महिलाओं को गुमराह करने और इस मुद्दे का इस्तेमाल झूठा नैरेटिव गढ़ने के लिए करने का आरोप लगाया। सपकाल ने यह भी दावा किया कि विपक्षी गठबंधन पहले ही आरक्षण के नाम पर संविधान और चुनावी प्रक्रिया में बदलाव की भाजपा की कोशिशों को विफल कर चुका है और अब भाजपा इस मुद्दे को फिर से जिंदा करने के लिए रैलियों और प्रचार का सहारा ले रही है।

पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने भी वीडियो साझा करते हुए कहा कि भाजपा के ड्रामे की वजह से आम लोगों को परेशान होना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि महिला का गुस्सा आम जनता की बढ़ती नाराजगी को दर्शाता है और आने वाले समय में देशभर की महिलाएं भी इसी तरह भाजपा को खारिज

महिला ने ऐसा क्या कहा, जिसकी चर्चा हो रही?

इसी दौरान एक नाराज महिला मंत्री के पास पहुंची और सड़क जाम करने तथा आम लोगों को हो रही परेशानी को लेकर उन पर भड़क उठी। महिला ने कहा, 'यहां से निकल जाइए, आप ट्रैफिक जाम कर रहे हैं।' उसने सवाल किया कि रैली पास के किसी मैदान में क्यों नहीं की गई, जिससे यातायात बाधित न होता। इस पर मंत्री गिरीश महाजन ने महिला को शांत करने की कोशिश की, लेकिन वह दोबारा लौटकर और भी तीखे अंदाज में बोली, 'समझ में नहीं आता क्या? आपको क्या हो गया है? सैकड़ों लोग इंतजार कर रहे हैं।' जब एक पुलिस अधिकारी ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, तो महिला ने नाराजगी जताते हुए किसी से भी बात करने से इनकार कर दिया। यह पूरा घटनाक्रम वीडियो में कैद हो गया, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया और भाजपा की विरोध प्रदर्शन की रणनीति पर सवाल उठने लगे।

सीएम पुष्कर धामी ने केदारनाथ में की पहली पूजा, पीएम मोदी के नाम से मांगी देश की समृद्धि

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

उत्तराखंड। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग स्थित केदारनाथ धाम में आज पूरे रीति-रिवाजों और परंपराओं के साथ प्रवेश हुआ, जिसमें भारत और विदेश से हजारों श्रद्धालु पहुंचे। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विशेष प्रार्थनाओं में भाग लेने के लिए धाम का दौरा किया।

समारोह के दौरान, मुख्यमंत्री धामी ने वैदिक मंत्रों और अनुष्ठानों का पाठ किया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर पहली प्रार्थना की और राज्य की जनता की खुशी, समृद्धि और कल्याण के लिए भगवान शिव से प्रार्थना की।

मंदिर परिसर हर हर महादेव के जयकारों से गूंज उठा, जिससे एक आध्यात्मिक वातावरण बन गया। कई श्रद्धालुओं ने इस ऐतिहासिक क्षण को देखकर अपार आस्था और आनंद व्यक्त किया। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि केदारनाथ धाम, चार धामों के साथ, उत्तराखंड की आध्यात्मिक पहचान का प्रतीक है। उन्होंने सुरक्षित, सुगम और सुव्यवस्थित तीर्थयात्रा का अनुभव प्रदान करने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया और कहा कि वे व्यक्तिगत रूप से नियमित रूप से व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हैं ताकि किसी भी तीर्थयात्री को असुविधा न हो।

उन्होंने अधिकारियों को यात्रा मार्गों, स्वास्थ्य सेवाओं, पेयजल उपलब्धता, स्वच्छता और सुरक्षा उपायों में उच्च मानकों को बनाए रखने का निर्देश दिया।

तीर्थयात्रियों की बढ़ती संख्या पर जोर देते हुए उन्होंने समय पर सभी आवश्यक तैयारियों को पूरा करने की आवश्यकता पर बल दिया। मुख्यमंत्री ने अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मैं आशा करता हूं कि बाबा केदारनाथ का आशीर्वाद सभी पर बना रहे और उत्तराखंड विकास के पथ पर निरंतर अग्रसर होता रहे।

उत्तर भारत में आग बरपाएगा सूरज, दिल्ली-पंजाब समेत कई राज्यों में भीषण लू की चेतावनी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत के कई हिस्सों के लिए लू की चेतावनी जारी की है, जिसमें आने वाले दिनों में बढ़ते तापमान और स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों के बारे में बताया गया है। पूर्वानुमान के अनुसार, 24 और 25 अप्रैल को पंजाब, हरियाणा और दिल्ली के कुछ इलाकों में लू चलने की संभावना है। उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में भी अगले कुछ दिनों में ऐसी ही स्थिति रहने की आशंका है। ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल और तटीय कर्नाटक सहित तटीय और दक्षिणी क्षेत्रों में भी गर्म और उमस भरा मौसम रहने की संभावना है। वहीं, आईएमडी द्वारा जारी बयान के अनुसार, दिल्ली, हरियाणा, ओडिशा और पश्चिमी तटीय क्षेत्रों के कुछ हिस्सों में रातें गर्म रहने की संभावना है। दिल्ली के लिए, आईएमडी ने 24 अप्रैल को मुख्य रूप से साफ आसमान और कुछ स्थानों पर लू चलने का पूर्वानुमान लगाया है। नई दिल्ली में बुधवार से शुक्रवार तक लू चलने की आशंका है, राष्ट्रीय राजधानी के कई हिस्सों में पारा 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की उम्मीद है। स्थिति को देखते हुए, आईएमडी ने दिल्ली के लिए दिन भर के लिए येलो अलर्ट जारी किया है, जिसमें लू चलने की आशंका जताई गई है। अधिकतम तापमान 42त्त से 44त्त के बीच रहने की संभावना है, जो सामान्य से काफी अधिक है, जबकि न्यूनतम तापमान 22त्त से 24त्त के बीच रह सकता है। हवाएं हल्की रहने की संभावना है, जो मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से चलेंगी। जलमार्ग प्रबंधन विभाग ने चेतावनी दी है कि उच्च तापमान से गर्मी से संबंधित बीमारियां हो सकती हैं, विशेषकर शिशुओं, बुजुर्गों और गंभीर बीमारियों से ग्रस्त लोगों जैसे संवेदनशील समूहों में।

गोरखपुर में नारी शक्ति वंदन सम्मेलन में गरजे मुख्यमंत्री

कांग्रेस-सपा महिला विरोधी: सीएम योगी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक को पारित न होने देने वाली कांग्रेस और समाजवादी पार्टी सहित सभी विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ये दल महिलाओं को नेतृत्व का अधिकार नहीं देना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस और सपा के इतिहास व उनके कारनामों को महिला विरोधी बताया। उन्होंने बुधवार शाम योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित नारी शक्ति वंदन सम्मेलन को संबोधित किया। मुख्यमंत्री योगी ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को महिलाओं का स्वतः अधिकार बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में नए संसद भवन में सबसे पहला अधिनियम नारी शक्ति वंदन का ही पारित कराया गया। प्रधानमंत्री मोदी 2029 के लोकसभा चुनाव से ही महिलाओं को कानून बनाने में भागीदारी का अधिकार देना चाहते हैं।

लेकिन विधेयक के गिरने पर जश्न मनाने वाले महिला विरोधी विपक्ष को यह मंजूर नहीं है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत के इतिहास और परंपरा में मातृशक्ति सदैव प्रतिष्ठित रही है। उन्होंने भगवान राम को कौशल्यानंदन और प्रभु कृष्ण को यशोदानंदन कहे जाने का उदाहरण दिया। श्रीराम में श्री शब्द माता सीता के लिए है और सियावर रामचंद्र की जय का जयकारा भी पहले माता सीता का नाम जोड़कर लगाया जाता है। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण की धरा मथुरा-वृंदावन में हर संबोधन राधे-राधे से शुरू होता है। काशी में नमः पार्वती पतये का उद्घोष होता है और गंगा जी को मां गंगे कहा जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 के बाद प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में नारी गरिमा को हर स्तर पर सम्मान देने का काम शुरू हुआ है। उन्होंने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ और मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना जैसी पहल का उल्लेख किया, जिससे 26 लाख बेटियां लाभान्वित हो रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने भ्रूण हत्या रोकने के लिए मातृ वंदना और इंद्रधनुष योजना जैसे कार्यक्रम चलाए। प्रदेश में बाल विवाह और दहेज रोकने के लिए सामूहिक विवाह योजना चलाई गई।

सीएम योगी ने विपक्षी दलों को घेरा

उन्होंने कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, टीएमसी और डीएमके को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने महिलाओं, दलितों और वंचितों के अधिकार में हमेशा बाधा डाली। उन्होंने सपा को घोषित रूप से नारी विरोधी बताते हुए कहा कि देख सपाई, बिटिया घबराई। मुख्यमंत्री ने बताया कि 2017 के पहले सपा सरकार में बेटियों को स्कूल भेजना बंद हो गया था। अब बेटियां बिना रोक-टोक स्कूल जा रही हैं। उन्होंने कहा कि 2017 के बाद पुलिस में 44 से 45 हजार महिलाओं की भर्ती हुई है, जबकि पहले यह संख्या केवल 10 हजार थी। अब पुलिस भर्ती में 20 फीसदी महिलाओं की भर्ती अनिवार्य कर दी गई है।

महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी जरूरी

मुख्यमंत्री ने आत्मनिर्भर और विकसित भारत के लिए महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि पंचायतों और स्थानीय निकायों में महिलाओं को सुनिश्चित प्रतिनिधित्व मिला है। राज्य में 54 फीसदी ब्लॉक प्रमुख महिलाएं हैं। ग्राम पंचायतों और जिला पंचायतों में भी महिलाओं की भागीदारी 50 फीसदी तक पहुंच गई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि 2017 के बाद नौ लाख से अधिक सरकारी नौकरियों में पौने दो लाख महिलाएं भर्ती हुई हैं। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के पुनरुद्धार से तीन करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मिला, जिसमें आधी भागीदारी महिलाओं की है।

ममता बनर्जी को सुप्रीम कोर्ट ने लगाई कड़ी फटकार, कहा, "ऐसा आचरण लोकतंत्र को खतरे में डाल सकता है"

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

बंगाल। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में पहले चरण के मतदान से ठीक पहले राज्य में सत्तारुढ़ तृणमूल कांग्रेस को करारा झटका लगा है। हम आपको बता दें कि आई पैक के कार्यालय में ईडी की छापेमारी के दौरान हस्तक्षेप करने के लिए ममता बनर्जी को देश की सर्वोच्च अदालत ने कड़ी फटकार लगाई है और इस पूरे घटनाक्रम पर सख्त रुख अपनाते हुए इसे लोकतंत्र के लिए चिंताजनक बताया है।

इससे पहले, अभी कुछ दिन पहले ही मालदा में सात न्यायिक अधिकारियों को नौ घंटे तक बंधक बनाये रखने की घटना को लेकर भी उच्चतम न्यायालय ने ममता बनर्जी सरकार को जमकर फटकार लगाते हुए कहा था कि राज्य में कानून व्यवस्था पटरी से उतर चुकी है। हम आपको याद दिला दें कि जब प्रवर्तन निदेशालय कोलकाता में आई पैक के कार्यालय पर छापेमारी कर रहा था उसी दौरान मुख्यमंत्री वहां पहुंच गई थीं। उच्चतम न्यायालय ने इस मुद्दे पर ईडी की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि यह एक असाधारण स्थिति है, क्योंकि किसी भी राज्य का मुख्यमंत्री जांच एजेंसी की कार्रवाई के बीच सीधे पहुंचकर उसमें दखल नहीं दे सकता। अदालत ने साफ शब्दों में कहा कि यह राज्य और केंद्र के बीच का विवाद नहीं है, बल्कि एक व्यक्ति का आचरण है, जो लोकतंत्र को खतरे में डाल सकता है। न्यायमूर्ति पीके मिश्रा और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि केवल कानूनी तर्क देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि जमीन पर जो हो रहा है, उसे भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और हम सच्चाई के प्रति अपनी आंखें बंद नहीं रख सकते।

बिहार में बड़ा वित्तीय संकट! तेजस्वी का दावा- एनडीए सरकार के पास सैलरी-पेंशन के भी पैसे नहीं

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

बिहार। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता और बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने बुधवार को एनडीए सरकार की आलोचना करते हुए उस पर बिहार में व्यापक वित्तीय कुप्रबंधन और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। पर एक पोस्ट में यादव ने कहा कि राज्य ₹व्यापक वित्तीय संकट₹ का सामना कर रहा है और हाल ही में गंभीर निधि की कमी के कारण निधि निकासी और व्यय नियंत्रण के संबंध में दूसरा पत्र जारी किया है। उन्होंने एनडीए प्रशासन पर चुनाव पूर्व वितरण के लिए सरकारी खजाने की लूट का आरोप लगाया, जिसके परिणामस्वरूप सामाजिक पेंशन, छात्र ऋण और कर्मचारियों के वेतन में देरी हुई। यादव ने कहा कि अपनी सीटें बचाने के लिए, भ्रष्ट सेवानिवृत्त और समझौतावादी उच्च अधिकारियों और एजेंसियों से भयभीत भुंजा गिरोह ने निष्क्रिय मुख्यमंत्री से मुलाकात की और खस्ताहाल सरकार से चुनाव से पहले अंतिम 30 दिनों में 41,000 करोड़ रुपये वितरित करवा लिए। उन्होंने आगे कहा कि इससे आवश्यक कल्याणकारी योजनाओं के लिए लगभग कोई धनराशि उपलब्ध नहीं रह गई है। उन्होंने कहा कि अब कई महीनों से एनडीए सरकार के पास बुजुर्गों को सामाजिक पेंशन देने, छात्रों के क्रेडिट कार्ड के बकाया का भुगतान करने, छात्रों को छात्रवृत्ति देने या कर्मचारियों को वेतन और पेंशन देने के लिए भी कोई धनराशि नहीं बची है झ्र क्योंकि भ्रष्टाचार ने सरकारी खजाने को खाली कर दिया है। यादव ने आगे दावा किया कि राज्य उधार के पैसों पर चल रहा है, और बताया कि उस पर 4 लाख करोड़ रुपये का कर्ज है और उस पर प्रतिदिन ब्याज देना पड़ता है। आरजेडी नेतृत्व के 'नया बिहार' ढांचे के अनुसार, यह स्थिति न केवल धन की कमी बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी के कारण भी है।

चुनाव आयोग का मेगा एक्शन! पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में 1000 करोड़ से ज्यादा कैश-ड्रग्स जब्त

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। चुनाव वाले तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में नकदी, शराब, नशीली दवाओं और अन्य वस्तुओं की जब्ती 1,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गई है, भारत निर्वाचन आयोग ने बुधवार को यह जानकारी दी। चुनाव आयोग ने बताया कि 26 फरवरी को चुनाव जब्ती प्रबंधन प्रणाली (एएटर) के सक्रिय होने के बाद से 22 अप्रैल तक दर्ज की गई जब्ती की राशि 1,072.13 करोड़ रुपये थी। आयोग के अनुसार, पश्चिम बंगाल में 472.89 करोड़ रुपये की जब्ती दर्ज की गई, जबकि तमिलनाडु में 599.24 करोड़ रुपये की जब्ती दर्ज की गई।

जब्त की गई वस्तुओं में 127.67 करोड़ रुपये नकद, 106.3 करोड़ रुपये मूल्य की 40 लाख लीटर से अधिक शराब, 184.83 करोड़ रुपये मूल्य की ड्रग्स, 215.19 करोड़ रुपये मूल्य की कीमती धातुएं और 437.97 करोड़ रुपये मूल्य के मुफ्त उपहार और अन्य वस्तुएं शामिल थीं।

चुनाव आयोग ने 15 मार्च को असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों के साथ-साथ उपचुनावों का कार्यक्रम घोषित किया था और आदर्श आचार संहिता का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया था। इसमें कहा गया है कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए चुनाव वाले राज्यों और पड़ोसी क्षेत्रों के मुख्य सचिवों, मुख्य निर्वाचन अधिकारियों, पुलिस महानिदेशकों और प्रवर्तन एजेंसियों के साथ कई समीक्षा बैठकें आयोजित की गईं।

निगरानी व्यवस्था को मजबूत करने के लिए, 5,011 से अधिक फ्लाइंग स्क्वाड टीमें तैनात की गई हैं, जिनमें से 2,728 पश्चिम बंगाल में और 2,283 तमिलनाडु में हैं। ये टीमें शिकायतों पर 100 मिनट के भीतर कार्रवाई करने के लिए तैयार हैं।

इसके अतिरिक्त, 5,363 से अधिक स्टैटिक सर्विलांस टीमें (3,142 पश्चिम बंगाल में और 2,221 तमिलनाडु में) विभिन्न स्थानों पर अचानक निरीक्षण करने के लिए गठित की गई हैं।

इसमें यह भी कहा गया है कि नागरिक और राजनीतिक दल ईसीआईएनईटी पर सी-विजिल मॉड्यूल के माध्यम से आचार संहिता के उल्लंघन की रिपोर्ट कर सकते हैं।

संपादक की कलम से

फिल्टर के पीछे खोती पहचान

ललित शर्मा
संपादक

मसुनो लड़कियों—यह कोई भावुक अपील नहीं, बल्कि एक जरूरी सच है। सुंदर दिखने की इस दौड़ में तुम कहीं खुद को खो न बैठो, यह चिंता अब व्यक्तिगत नहीं रही, यह एक सामाजिक संकट बनती जा रही है। आज का समय ऐसा है जहाँ आईना हमारे कमरे की दीवार पर नहीं, बल्कि हमारे मोबाइल की स्क्रीन में बसता है। और यह आईना सच्चाई नहीं दिखाता, बल्कि वह दिखाता है जो दिखाना चाहता है। इस आभासी दुनिया में सुंदरता अब स्वाभाविक नहीं, बल्कि एक प्रोजेक्ट है—जिसे एडिट किया जाता है, फिल्टर लगाया जाता है, और लाइक्स व व्यूज के पैमाने पर नापा जाता है। यह मान लेना गलत होगा कि सोशल मीडिया केवल मनोरंजन का माध्यम है। यह अब एक मनोवैज्ञानिक संरचना बन चुका है, जो हमारी सोच, हमारी पसंद, हमारे आत्मविश्वास और हमारी पहचान को धीरे-धीरे आकार दे रहा है। खासकर युवतियों के लिए यह एक ऐसा दबाव रचता है, जिसमें वे अनजाने में खुद को किसी और के साँचे में ढालने लगती हैं। हर दिन किसी और की 'परफेक्ट' तस्वीर देखकर अपने चेहरे में कमी ढूंढना, हर स्टोरी के बाद यह सोचना कि कितने लोगों ने देखा, कितनों ने तारीफ की—यह सब एक खतरनाक आदत में बदलता जा रहा है। वैलिडेशन की यह भूख बहुत सूक्ष्म होती है। शुरूआत में यह सामान्य लगती है—थोड़ी सी तारीफ, कुछ अच्छे कमेंट्स, कुछ लाइक्स। लेकिन धीरे-धीरे यही जरूरत बन जाती है। जब तारीफ नहीं मिलती, तो बेचैनी होती है, खुद पर संदेह होता है, और आत्मसम्मान डगमगाने लगता है। यह वही क्षण है जब एक लड़की, जो भीतर से मजबूत और आत्मनिर्भर हो सकती थी, बाहरी प्रतिक्रियाओं पर निर्भर होने लगती है। यह निर्भरता मानसिक थकान और अवसाद की ओर ले जाती है, लेकिन विडंबना यह है कि यह सब एक मुस्कुराती हुई तस्वीर के पीछे छुपा रहता है। सोशल मीडिया पर जो दिखता है, वह पूरा सच नहीं होता। यहाँ हर कोई अपने जीवन का सबसे अच्छा हिस्सा ही दिखाता है। कोई अपने अकेलेपन की तस्वीर नहीं डालता, कोई अपने डर या असफलता को सार्वजनिक नहीं करता। इसलिए जब तुम किसी को हमेशा खुश, प्रेम में डूबा या सफल देखती हो, तो यह समझना जरूरी है कि वह पूरी कहानी नहीं है। यह केवल एक चुना हुआ फ्रेम है, जिसमें बाकी की सच्चाई जानबूझकर काट दी गई है। सबसे बड़ा खतरा यह है कि इस आभासी तुलना के कारण तुम खुद को कम आंकने लगती हो। तुम्हें लगता है कि शायद तुम उतनी सुंदर नहीं, उतनी खुश नहीं, उतनी सफल नहीं। जबकि सच्चाई यह है कि तुम अपनी जगह पूरी हो। तुम्हारी सादगी, तुम्हारी सोच, तुम्हारा स्वभाव—ये सब तुम्हें अद्वितीय बनाते हैं। लेकिन जब तुम किसी और की तरह बनने की कोशिश करती हो, तो तुम अपनी ही पहचान को कमजोर करती हो। आज की दुनिया में 'ट्रेंड' एक नया धर्म बन चुका है। जो ट्रेंड में है, वही सही माना जाता है। लेकिन हर ट्रेंड तुम्हारे लिए नहीं बना होता। कई बार ये ट्रेंड्स तुम्हारी सेहत, तुम्हारे आत्मसम्मान और तुम्हारी मानसिक शांति पर भारी पड़ते हैं। अजीब-अजीब ब्यूटी स्टैंडर्ड्स, अस्वाभाविक लाइफस्टाइल, और दिखावे की आदत—ये सब धीरे-धीरे तुम्हें उस दिशा में ले जाते हैं जहाँ तुम अपने असली रूप से दूर होती जाती हो। यह भी सच है कि सोशल मीडिया ने अभिव्यक्ति के नए रास्ते खोले हैं। लेकिन जब यह अभिव्यक्ति तुलना और प्रतिस्पर्धा में बदल जाती है, तो यह अपनी सकारात्मकता खो देती है। जब हर पोस्ट एक प्रदर्शन बन जाए, हर तस्वीर एक संदेश बन जाए कि 5मैं खुश हूँ', तो यह स्वाभाविक जीवन नहीं रह जाता, बल्कि एक अभिनय बन जाता है।

ख्वाब में जब आती हो

उदय किशोर साह

कविता

कभी ख्वाबों में आती हो तो कभी इठलाकर चली जाती हो
मेरे दिल की धड़कन को तेज तेज दौड़ा धड़का जाती हो
जरा सामने आकर मेरे नैनों को दीदार जानेमन करा जाना
क्यूं छुप छुप कर मेरे मन को हर बार तड़पा चली जाती हो

कभी तेरी आँचल हवा में लहरा बादल बन जाता है
कभी तेरी नयनों की कटार कलेजा घायल कर रूलाता है
जरा मेरे गम व पीड़ा को समझने की कोशिश तुम करना
तेरी दीदार शायद मेरे जख्म को मलहम बन आराम दे पाये

तेरी रुन झून पायल की शोर मेरी नींदिया उड़ा जाती है
तेरी अल्हड़ नागिन सी चाल पनघट पे हमें डँस तड़पाती है
मैने तेरी प्रीत में कई प्रेम गीत तुमको कल भी सुनाया था
पर हर बार मेरी कोशिश को तुम ठुकरा अहं दिखलाती हो

मेरी गलियों में सुबह शाम तेरा आना जाना दिख जाती है
तेरी नयन की तीर मेरे दिल को घाव दे पीड़ा दे जाती है
फिर भी दिल मेरा पागल है इसे कैसे में समझाऊं बता
जनम जनम से हमारे बीच प्रेम डोर ही खींच लाती। है

प्रेम में आशिक को पागल बनाना हुस्न की फितरत है
मोहब्बत की डगर पे ठोकर खाना आशिक की हसरत है
सागर की लहरों की थपेड़ा खा तेरी आस में मैं बैठा हूँ
कभी साहिल पे आ कर मेरी प्यार की प्यास बुझाना है

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

नारी शक्ति वंदन पर राष्ट्र के नाम रुंदन भरा संबोधन

निर्मल रानी
लेखिका

मध्य एशिया में छिड़े संघर्ष के परिणामस्वरूप पूरे विश्व में मंहगाई व बेरोजगारी बढ़ती जा रही है। भारत में भी गैस व सिलेंडर के अभाव के कारण लगने वाली लंबी लंबी कतारों के साथ ही हजारों छोटे व मध्यम उद्योगों के बंद होने के समाचार मिल रहे हैं। विभिन्न औद्योगिक नगरियों से कामगारों के ऐसे दर्दनाक दृश्य दिखाई दे रहे हैं जो कोरोना काल के समय हुये प्रवासियों के पलायन की याद दिला रहे हैं। परन्तु हमारे देश की सरकार व यहाँ के नेता इन वास्तविकताओं से मुंह मोड़कर हमेशा की तरह आज भी 'चुनावी मोड' में हैं। प्रायः ऐसा देखा गया है कि चुनावी बेला में कुछ न कुछ ऐसा शगूफा जरूर छोड़ा जाता है जो सत्ता के पक्ष में, चुनाव को प्रभावित करने, विपक्ष को बदनाम करने, चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन करने तथा सत्ता का दुरूपयोग करने वाला हो। परन्तु इन चुनावी महारथियों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि चुनाव आयोग सहित अनेक संस्थाओं पर सत्ता ने अपनी पकड़ मजबूत जो कर ली है ?

देश ने पिछले दिनों एक ऐसा ही 'हाई प्रोफाइल' राजनैतिक ड्रामा देखा। केंद्र सरकार ने अचानक 16 से 18 अप्रैल 2026 तक संसद का तीन दिवसीय विशेष सत्र बुला लिया। सरकार की तरफ से पहले तो इस आपात सत्र को बुलाने के कारण को भी सांसदों से गुप्त रखा गया।

फिर एन वक़्त पर बताया गया कि इस विशेष सत्र का मुख्य उद्देश्य महिला आरक्षण विधेयक जिसे वर्तमान सरकार ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' का नाम दिया है इसे जल्द लागू करने के लिए लोकसभा की सीटों का परिसीमन करना व इनकी संख्या 543 से बढ़ाकर अधिकतम 850 करने संबंधी संशोधन विधेयक पारित कराना है। सरकार का कहना है कि ऐसा करने से 2029 के आम चुनावों से पहले 33% महिला आरक्षण लागू हो सकेगा।

यही बताकर लोकसभा में विगत 17 अप्रैल को 131 वां संविधान संशोधन विधेयक सरकार द्वारा पेश किया गया जो मतदान के बाद पारित नहीं हो सका। क्योंकि इस संविधान संशोधन विधेयक को पारित होने के लिये लोकसभा में विशेष यानी दो तिहाई बहुमत की जरूरत थी। गोया वर्तमान में लोकसभा में कुल 543 सदस्य हैं और कुल सदस्यों का सामान्य बहुमत लगभग 272 होता है जोकि सरकार के गठन के लिये तो पर्याप्त है परन्तु संविधान संशोधन के लिये उपस्थित और मतदान करने वालों सदस्यों में दो-तिहाई बहुमत के लिए सामान्यतः 362 या इससे अधिक वोट चाहिए। परन्तु चूँकि केवल 298 मत विधेयक के पक्ष में और 230 इस के विपक्ष में पड़े इसलिये यह विधेयक पारित नहीं हो सका।

वैसे भी इतना महत्वपूर्ण विधेयक सदन की पटल पर लाने से पूर्व जिसपर परिसीमन को लेकर चर्चा की जाने थी, सत्ता पक्ष ने विपक्ष से बात करना, सर्वदलीय बैठक बुलाना या विपक्ष को विश्वास में लेना भी जरूरी नहीं समझा।

अब इस 'नारी शक्ति वंदन' नामक विधेयक के गिरने के बाद सत्ता ने एक बड़ा है 'हाई वोल्टेज ड्रामा' शुरू किया जिस के तहत पहले तो प्रधानमंत्री ने कैबिनेट की बैठक में विधेयक गिरने का ठीकरा विपक्ष पर फोड़ा और बाद में प्रधानमंत्री ने 'राष्ट्र के नाम संबोधन' किया जो कि एक रुन्दन भरा व शत प्रतिशत चुनावी भाषण जैसा सम्बोधन था।

जनता के टैक्स के पैसों से संचालित होने वाले दूरदर्शन, संसद टी वी व ऑल इंडिया रेडिओ जैसे चैनल्स पर इसे लाइव प्रसारित किया गया। जबकि सत्ता के गुणगान में लगे 'गोदी मीडिया' के अधिकांश निजी चैनल्स ने भी इसे लाईव प्रसारित किया। यह संबोधन पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित, विपक्षी दलों को बदनाम करने, कई राज्यों में चल रहे चुनावों के बीच चुनाव को प्रभावित करने वाला तथा चुनाव आचार संहिता का खुला उल्लंघन था।

सही मायने में सरकार की जितनी फजीहत विधेयक के पारित न होने से हुई थी उससे कहीं ज्यादा इस तथाकथित 'राष्ट्र संबोधन' से हो गयी। 18 अप्रैल को 'राष्ट्र के नाम सम्बोधन' के नाम पर दिये गये इस 29 मिनट के चुनावी भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न केवल चुनाव आचार संहिता का खुला उल्लंघन किया बल्कि अन्य कई विपक्षी दलों के अतिरिक्त 58 बार केवल कांग्रेस पार्टी का नाम लेकर उसे खूब कोसा।

इसके बाद देश के 700 से अधिक पूर्व नौकरशाहों व विशिष्ट लोगों ने भारतीय चुनाव आयोग को पत्र लिखकर शिकायत दर्ज कराई कि प्रधानमंत्री के प्रसारण में चुनाव अचार संहिता की धज्जियाँ उड़ाई गयीं और प्रधानमंत्री का भाषण चुनाव अचार संहिता का सरासर उल्लंघन है। क्योंकि चुनाव अचार संहिता के लागू होने के बावजूद सरकारी टी वी प्रसारण के द्वारा चुनाव प्रचार किया गया और पार्टी प्रोपेगैंडा करने के लिए सरकारी मास मीडिया प्लेटफार्म का दुरूपयोग किया गया जोकि चुनाव नियमों का गंभीर उल्लंघन है। निश्चित रूप से देश के इतिहास में यह पहला मौका था जबकि किसी प्रधानमंत्री ने केवल विपक्ष को बदनाम करने व उसकी आलोचना करने के लिए 'राष्ट्र को संबोधित' करने के बहाने इस तरह से सरकारी प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किया हो।

इसके बाद मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने जिसतरह आंकड़ों व तथ्यों के साथ भाजपा को आइना दिखाना शुरू किया उससे तो भाजपाइयों के लेने के देने पड़ गये।, सबसे पहले तो कांग्रेस ने कहा कि जो महिला आरक्षण विधेयक पहले ही संसद में पारित हो चुका है उसे पुनः पारित करने का अर्थ क्या है ? नेता विपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि ये दरअसल महिला आरक्षण विधेयक नहीं है बल्कि भारत के वर्तमान चुनावी ढांचे को बदलने की साजिश है। राहुल गांधी ने कहा कि यदि प्रधानमंत्री महिला आरक्षण चाहते हैं तो 2023 का पारित हो चुका महिला विधेयक लायें और उसे आज ही लागू करें तो पूरा विपक्ष समर्थन देगा। साथ ही इस विधेयक के गिरने के बाद महिलाओं की हमदर्दी में घड़ियाली आंसू बहाने व विपक्ष पर ही हमलावर होने वाली भाजपा से इसी विपक्ष ने ऐसे सवाल पूछने शुरू कर दिए जिसका भाजपा के लफ़्फ़ाजी नेताओं के पास कोई जवाब नहीं।

महिला आरक्षण के इन स्वयंभू सत्ताधारी हमदर्दों से विपक्ष ने यह भी पूछा कि सबसे ज्यादा सांसद होने के बाद भी बीजेपी की महिला सांसदों की संख्या का अनुपात अन्य राजनैतिक दलों की तुलना में सबसे कम क्यों है ? गौरतलब है कि वर्तमान लोकसभा में बीजेपी के 240 लोकसभा सांसदों में केवल 31 महिलाएं हैं अर्थात उनकी संख्या मात्र 12.90% है। जबकि कांग्रेस के 98 सांसदों में 14 यानी 14.30% इसी प्रकार टीएमसी के 29 में 11 महिला सांसद यानी 37.90% महिलाएं हैं। इसी तरह समाजवादी पार्टी में भी 37 में 5 यानी 13.50% महिला सांसद हैं। इसके साथ ही कांग्रेस ने भाजपा का यह चिट्ठा भी खोलकर रख दिया कि भाजपा के शासन में यहाँ तक कि स्वयं अनेक भाजपा नेताओं द्वारा नारियों का किस तरह शोषण व अपमान किया गया है व किया जा रहा है। इसलिये यह कहना गलत नहीं होगा कि नारी शक्ति वंदन विधेयक के गिरने पर प्रधानमंत्री का राष्ट्र के नाम रुन्दन भरा संबोधन कोरी राजनीति, आचार संहिता का उल्लंघन, जनता के टैक्स के पैसों का दुरूपयोग और भाजपा की हताशा के सिवा और कुछ नहीं था।

कागज पर हरा, लेकिन कितना स्वस्थ? भारत में वन डेटा पर पुनर्विचार

डॉ विजय गर्ग
लेखक

भारत अक्सर राष्ट्रीय और वैश्विक रिपोर्टों में उत्साहवर्धक आंकड़ों का हवाला देते हुए अपने बढ़ते वन क्षेत्र का जश्न मनाता है। जंगलों और पेड़ों के मिश्रण से देश का लगभग एक चौथाई भूभाग बनता है तथा वैश्विक रैंकिंग में लगातार वृद्धि होती है, इसलिए यह कहानी सकारात्मक और आश्वस्त करने वाली प्रतीत होती है। फिर भी, इन संख्याओं के पीछे एक गहरी और अधिक जटिल वास्तविकता हैः जंगलों को केवल क्षेत्रफल और संख्यात्मक वृद्धि से मापना अब उनके वास्तविक पारिस्थितिक स्वास्थ्य को समझने के लिए पर्याप्त नहीं है।

भारत में वन प्रवचन का प्रमुख मीट्रिक ₹वन कवर₹ है। यह वृक्षों की छतरी के नीचे भूमि का उपग्रह-आधारित अनुमान है। यद्यपि यह उपाय उपयोगी है, लेकिन अक्सर प्राकृतिक वनों, वृक्षारोपणों और जंगलों के बाहर बिखरे हुए पेड़ों के बीच महत्वपूर्ण अंतर को धुंधला कर देता है। पारिस्थितिक मूल्य में व्यापक अंतर के बावजूद, नीलगिरी के एक-संस्कृति वृक्षारोपण को जैवविविध वर्षावन के समान माना जा सकता है। यह सीमा एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठाती हैः क्या हम जंगलों को माप रहे हैं, या केवल पेड़ों की गिनती कर रहे हैं?

हाल के निष्कर्षों से पता चलता है कि पिछले दशक में समग्र वन क्षेत्र में मामूली वृद्धि हुई है, लेकिन यह वृद्धि असमान रही है। कुछ मामलों में, कुल हरित आवरण बढ़ने के बावजूद घने प्राकृतिक जंगलों की संख्या में कमी आई है, जिसका कारण अक्सर क्षतिपूर्तिात्मक वानिकी या वृक्षारोपण का विस्तार होता है। ऐसे रुझान वन गुणवत्ता का आकलन किए बिना केवल मात्रात्मक विस्तार पर निर्भर रहने की अपर्याप्तता को उजागर करते हैं।

एक अन्य महत्वपूर्ण आयाम जिसे अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है, वह है जैव विविधता। भारत विश्व के सर्वाधिक जैवविविध देशों में से एक है, फिर भी वर्तमान वन मापदंड शायद ही कभी प्रजातियों की समृद्धि, पारिस्थितिकी तंत्र की जटिलता या आवास की अखंडता को दर्शाते हैं। देशी वनस्पतियों और जीव-जंतुओं से भरपूर वन अपूरणीय पारिस्थितिक सेवाएं प्रदान करता है।

परागण, जल विनियमन और जलवायु लचीलापन जो एक समान बागानों द्वारा दोहराया नहीं जा सकता है। वन मूल्यांकन में जैव विविधता को नजरअंदाज करने से जंगलों के पारिस्थितिक महत्व को कम करके आंका जा सकता है।

हाल के वर्षों में कार्बन भंडारण एक प्रमुख मीट्रिक के रूप में उभरा है, विशेष रूप से जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में। भारत के जंगल कार्बन अवशोषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, तथा हाल ही में हुए आकलनों में कार्बन भंडार में वृद्धि देखी गई है। हालाँकि, इस मीट्रिक की भी अपनी सीमाएं हैं।

बढ़ते तापमान और जलवायु तनाव ने जंगलों की उत्पादकता को प्रभावित करना शुरू कर दिया है, कुछ अध्ययनों से पता चला है कि स्पष्ट रूप से हरितीकरण के बावजूद शुद्ध प्राथमिक उत्पादकता में कमी आ रही है इससे पता चलता है कि हरित परिदृश्य से स्वस्थ या अधिक लचीले पारिस्थितिकी तंत्र नहीं बनते।

जंगलों के आर्थिक मूल्यांकन में भी व्यापक परिप्रेक्ष्य की आवश्यकता है। परंपरागत रूप से, जंगलों का मूल्य लकड़ी और गैर-लकड़ी वन उत्पादों के लिए रखा जाता है।

हालांकि, नए अध्ययनों से पता चलता है कि कार्बन बरामदगी, बाढ़ नियंत्रण और मृदा संरक्षण जैसी पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं का अपार आर्थिक मूल्य अक्सर वनों की कटाई से प्राप्त अल्पकालिक लाभ से अधिक होता है। फिर भी, नीति और लेखांकन ढांचे में इन सेवाओं का प्रतिनिधित्व कम है।

इसके अलावा, वर्तमान मापदंड अक्सर क्षेत्रीय भिन्नता और स्थानीय वास्तविकताओं को पकड़ने में विफल रहते हैं। पूर्वोत्तर, पश्चिमी घाट और हिमालय क्षेत्र के जंगलों की संरचना, कार्य और संवेदनशीलता में बहुत अंतर है।

एक समान राष्ट्रीय मीट्रिक इन अंतरों को पर्याप्त रूप से प्रतिबिंबित नहीं कर सकता। एकत्रित डेटा पर आधारित नीति निर्माण में महत्वपूर्ण पारिस्थितिक हॉटस्पॉट और स्थानीय संरक्षण आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने का जोखिम है।

आगे का रास्ता बहुआयामी वन मीट्रिक विकसित करने में है। केवल इस बात पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय कि हमारे पास कितना जंगल है, भारत को यह पूछना चाहिए कि हमारे पास किस प्रकार का जंगल है और वे कितनी अच्छी तरह से काम करते हैं इसके लिए जैव विविधता सूचकांक, वन घनत्व गुणवत्ता, कार्बन गतिशीलता, पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं और सामुदायिक निर्भरता जैसे संकेतकों को एकीकृत करना आवश्यक है।

तकनीकी प्रगति आशाजनक समाधान प्रदान करती है। रिमोट सेंसिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और जमीनी स्तर पर पारिस्थितिक सर्वेक्षण मिलकर अधिक सूक्ष्म एवं सटीक वन आकलन प्रदान कर सकते हैं। वैज्ञानिक आंकड़ों को स्वदेशी ज्ञान के साथ संयोजित करने से वन पारिस्थितिकी तंत्र के बारे में हमारी समझ और अधिक समृद्ध हो सकती है।

निष्कर्षतः भारत के जंगल की कहानी केवल संख्याओं के माध्यम से नहीं बताई जा सकती। यद्यपि वन आवरण में वृद्धि महत्वपूर्ण है, लेकिन यह पर्याप्त नहीं है। वास्तविक चुनौती जलवायु परिवर्तन और विकास संबंधी दबावों के बावजूद जंगलों की गुणवत्ता, विविधता और लचीलेपन को बनाए रखने में है। कवर और गणना से आगे बढ़ना सिर्फ एक वैज्ञानिक आवश्यकता नहीं है। यह एक टिकाऊ भविष्य के लिए एक पारिस्थितिक अनिवार्यता है।

बढ़ती गर्मी से एक दशक में खेत उत्पादन 30 प्रतिशत घट सकता है

स्नेहा सिंह
लेखिका

क्लाइमेट चेंज और ग्लोबल वार्मिंग के चलते जो स्थिति बनी है, उससे पूरा विश्व परेशान है। यह ऐसी समस्या है, जो किसी एक देश तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरी दुनिया को प्रभावित कर रही है, क्योंकि पृथ्वी को जो नुकसान हुआ है, उसका परिणाम अब भुगतना पड़ रहा है।

इसके कारण दुनिया भर में कभी भी बारिश, गर्मी, ठंड, अतिवृष्टि, अनावृष्टि, खाद्य संकट और मौसम व वातावरण में बदलाव जैसी समस्याएं तथा बीमारियों में वृद्धि जैसी चिंताएं बढ़ गई हैं। यदि भारत की बात करें, तो यहां खेती पर व्यापक असर पड़ा है। भारत में लगभग 60 प्रतिशत लोग खेती पर ही निर्भर हैं।

ग्लोबल वार्मिंग का सबसे बड़ा असर खेती पर पड़ा है और आने वाले समय में स्थिति और खराब होने की आशंका है। मौसम में लगातार हो रहे बदलाव के कारण केवल उत्पादन ही नहीं, बल्कि फसलों की गुणवत्ता पर भी व्यापक असर पड़ रहा है। इस बदलाव के कारण देश में खेती के सामने बड़ा खतरा उत्पन्न हुआ है और इसके चलते खाद्य सुरक्षा पर भी गंभीर संकट खड़ा हो गया है।

उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्र और उससे जुड़े अन्य संगठनों तथा खाद्य और कृषि संगठनों द्वारा चेतावनी दी गई है कि लगातार बढ़ती गर्मी, सूखा, बाढ़ और जमीन की पोषक क्षमता में कमी दुनिया भर को नुकसान पहुंचा रही है। खासकर मध्य-पूर्व के देशों को इसका अधिक नुकसान हो रहा है।

विशेषज्ञों का मानना है कि 2040 तक यदि तापमान में औसतन 1.5 डिग्री की वृद्धि होती है, तो खेती और उसकी गुणवत्ता पर व्यापक नकारात्मक असर पड़ेगा।

बढ़ते कार्बन उत्सर्जन के कारण इस सदी में दुनिया भर में भुखमरी, बाढ़, सूखा और पलायन जैसी समस्याएं बढ़ गई हैं। यदि गर्मी इसी तरह बढ़ती रही, तो एशिया के देशों में कृषि उत्पादन में 30 प्रतिशत तक गिरावट आ सकती है।

यह भी उल्लेखनीय है कि विकास की अंधी दौड़ में हम यह भूल रहे हैं कि आज भी दुनिया में करोड़ों लोग ऐसे हैं, जिन्हें रोजाना भोजन के लिए संघर्ष करना पड़ता है।

उन्हें दो वक्त का खाना भी नहीं मिल पाता। ऐसी स्थिति में 2030 तक दुनिया से भुखमरी खत्म करने का वैश्विक लक्ष्य हासिल होना मुश्किल नजर आता है।

दूसरी ओर देश में औसत वर्षा में भी बड़ा अंतर आया है। उन्नीसवीं सदी की तुलना में बीसवीं सदी में वर्षा कम हुई है। इसके अलावा गंगोत्री हिमनदी भी हर साल घट रही है और अन्य नदियों के जलस्तर में भी कमी आ रही है। पानी की कमी के कारण खेती में भी कठिनाई बढ़ रही है।

चिंताजनक बात यह है कि एक तरफ क्लाइमेट चेंज का असर उत्पादन पर पड़ रहा है, वहीं दूसरी ओर फसल की गुणवत्ता में गिरावट, अनाज की बढ़ती कीमतें और किसानों की आय में कमी भी स्थिति को प्रभावित कर रही है।

उत्पादन बढ़ाने में उपजाऊ भूमि, पानी, अनुकूल मौसम, रोग और कीटों से सुरक्षा जैसी बातें भी महत्वपूर्ण होती हैं। इनमें से कोई एक भी घटक कमजोर पड़ता है, तो उत्पादन प्रभावित होता ही है। ग्लोबल वार्मिंग और क्लाइमेट चेंज के कारण पिछले एक दशक में तापमान बढ़ा है और कई अन्य समस्याएं भी पैदा हुई हैं।

कुछ फसलें ऐसी होती हैं, जिन्हें विशेष तापमान और वातावरण की आवश्यकता होती है। जैसे ही तापमान बढ़ता है या मौसम बदलता है, उन पर नकारात्मक प्रभाव शुरू हो जाता है। गेहूं, सरसों, जौ और आलू के लिए कम तापमान जरूरी होता है। जैसे-जैसे गर्मी बढ़ती है, इनकी उपज प्रभावित होती है। इसी तरह अधिक गर्मी से मक्का, ज्वार और अन्य अनाज भी प्रभावित होते हैं। अधिक तापमान के कारण इन फसलों में दाने ठीक से नहीं बनते और गुणवत्ता घट जाती है, जिससे नुकसान होता है।

खास बात यह है कि ग्लोबल वार्मिंग खाद्य सुरक्षा के चारों पहलुओं, भोजन की उपलब्धता, पहुंच, उपयोग और स्थिरता को प्रभावित करता है। यदि तापमान लगातार बढ़ता रहा, तो भोजन की कमी और उससे जुड़े जोखिम बढ़ जाएंगे।

वर्तमान रुझानों के अनुसार इस सदी के अंत तक पृथ्वी का तापमान 3.7 से 4.8 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है, जिसका सीधा असर खेती पर पड़ेगा। गेहूं, ज्वार, सरसों और आलू जैसी फसलों की खेती कठिन हो जाएगी और कई बार असफल भी हो सकती है।

दूसरी ओर यदि मक्का और अन्य अनाज में दाने नहीं बनेंगे और गुणवत्ता घटेगी तो उनकी खेती भी घाटे का सौदा बन जाएगी। किसानों को फसल लेने के बावजूद नुकसान उठाना पड़ेगा। तापमान बढ़ने से वर्षा में भी कमी आएगी, जिससे जमीन की नमी घटेगी और सूखे की स्थिति बढ़ेगी। बढ़ती गर्मी के कारण मिट्टी में नाइट्रोजन की मात्रा भी कम होगी, जिससे उत्पादन क्षमता घटेगी।

इसे पूरा करने के लिए रासायनिक खाद का उपयोग बढ़ेगा, जिससे जमीन की उर्वरता और कम होती जाएगी।

आज दुनिया भर में क्लाइमेट चेंज और ग्लोबल वार्मिंग के नकारात्मक प्रभाव स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं। भारत भी उन शीर्ष 20 देशों में शामिल है, जो इससे सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। पिछले चार दशकों में पृथ्वी का तापमान 0.5 डिग्री बढ़ चुका है, जिससे प्राकृतिक आपदाओं में वृद्धि हुई है। भारत में अधिकांश किसानों के पास छोटी जमीन है, जिससे उनकी आय और उत्पादन पर असर पड़ रहा है और उनकी स्थिति लगातार कमजोर हो रही है।

भारत के लिए चिंता की बात यह भी है कि यहां की 60 प्रतिशत आबादी सीधे या परोक्ष रूप से खेती पर निर्भर है। ऐसे में यदि खेती पर संकट बढ़ता है, तो लोगों की आय और खाद्य आवश्यकताओं पर भी गंभीर प्रभाव पड़ेगा और खाद्य सुरक्षा के सामने बड़ा खतरा खड़ा होगा।

क्लाइमेट चेंज से खेती, आजीविका और मानव अस्तित्व पर बड़ा खतरा

क्लाइमेट चेंज के कारण पृथ्वी को हो रहा नुकसान बेहद गंभीर है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे खेती, आजीविका और मानव अस्तित्व पर बड़ा खतरा पैदा होगा। अनुमान है कि 2050 तक विश्व की जनसंख्या 9.5 अरब तक पहुंच सकती है। ऐसे में अतिरिक्त 2 अरब लोगों के लिए लगभग 70 प्रतिशत अधिक खाद्यान्न उत्पादन करना होगा। इसके लिए खेती की पद्धतियों को अधिक टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल बनाना होगा।

अब समय आ गया है कि खेती में ऐसे तरीके अपनाए जाएं, जिससे पर्यावरण को कम नुकसान पहुंचे। यह समस्या किसी एक देश की नहीं, बल्कि पूरी मानव जाति की है, इसलिए सभी देशों को मिलकर प्रयास करने होंगे।

पृथ्वी का औसत तापमान लगातार बढ़ रहा है, जो चिंता का विषय है। भारत में भी गर्मी का स्तर बढ़ रहा है, जिससे खेती पर खतरा बढ़ता जा रहा है। कई किसान नुकसान के डर से खेती छोड़कर अन्य व्यवसाय या नौकरी की ओर जा रहे हैं। किसानों को खेती में बनाए रखने के लिए नई तकनीक, नए संसाधन और बेहतर नीतियों की जरूरत है।

अंत में, यह समझना जरूरी है कि ग्लोबल वार्मिंग केवल एक देश की समस्या नहीं है। इसके समाधान के लिए पूरी दुनिया को एकजुट होकर प्रयास करने होंगे। यह पूरी मानवता के लिए एक बड़ा खतरा है।

पीलीभीत में फसल पर 'दबंगई' का साया: महिला किसान की खड़ी गेहूं की फसल काटने का आरोप, पुलिस कार्रवाई पर भी उठे सवाल

अमरिया क्षेत्र में जमीन विवाद ने लिया तूल, पीड़िता ने थाने में दी तहरीर-कहा, आरोपी ने जबरन काटी फसल, पुलिस ने उल्टा पति को किया गिरफ्तार

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। अमरिया थाना क्षेत्र के गांव भैंसहा से एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने कानून-व्यवस्था और ग्रामीण सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

यहां की निवासी सिमरन दीप कौर ने स्थानीय पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि उनकी पैतृक कृषि भूमि पर उगाई गई गेहूं की फसल को गांव के ही एक व्यक्ति ने दबंगई और गुंडागर्दी के बल पर जबरन काट लिया। पीड़िता का कहना है कि उनकी भूमि गाटा संख्या 203/4, 203/5 और 203/6 में स्थित है, जहां उन्होंने मेहनत से गेहूं की फसल तैयार की थी, लेकिन कटाई के समय विवाद खड़ा हो गया।

तहरीर के अनुसार, सतनाम सिंह नामक व्यक्ति कथित रूप से अपने साथ कंबाइन मशीन लेकर खेत में पहुंचा और बिना अनुमति फसल की कटाई शुरू कर दी। जब इसका विरोध किया गया तो कथित रूप से दबाव और धमकी का माहौल बनाया गया।

मामला यहीं नहीं थमा, बल्कि पीड़िता का आरोप है कि जब उन्होंने पुलिस से मदद की गुहार लगाई, तो कार्रवाई उल्टी दिशा में होती नजर आई। उन्होंने कहा कि थाना अमरिया पुलिस ने उनके पति को ही गिरफ्तार कर लिया, जबकि आरोपित के

खिलाफ कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। इस पूरे घटनाक्रम ने स्थानीय ग्रामीणों के बीच भी चर्चा और असंतोष का माहौल पैदा कर दिया है। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया है कि क्षेत्र के एक जनप्रतिनिधि स्तर के व्यक्ति द्वारा आरोपी को संरक्षण दिया जा रहा है, जिससे निष्पक्ष कार्रवाई प्रभावित हो रही है। ऐसे में पीड़िता खुद को असहाय महसूस कर रही हैं और न्याय की मांग कर रही हैं।

अपने प्रार्थना पत्र में सिमरन दीप कौर ने स्पष्ट रूप से कहा है कि उन्हें अपनी ही भूमि पर खड़ी फसल काटने से रोका जा रहा है और उनकी मेहनत पर कब्जा करने की कोशिश की जा रही है।

उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि उनकी रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए और उन्हें अपनी फसल की कटाई का अधिकार दिलाया जाए। यह मामला ऐसे समय में सामने आया है जब प्रदेश में किसानों की सुरक्षा और उनके अधिकारों को लेकर लगातार चर्चा हो रही है। अगर आरोप सही पाए जाते हैं, तो यह घटना न केवल कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि ग्रामीण इलाकों में दबंगई और रसूख के बल पर किस तरह आम लोगों के अधिकारों का हनन किया जा रहा है।

फिलहाल पुलिस की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है, लेकिन पीड़िता की शिकायत ने प्रशासन को कठघरे में खड़ा कर दिया है। अब देखना यह होगा कि जांच के बाद सच्चाई क्या सामने आती है और पीड़ित पक्ष को न्याय मिल पाता है या नहीं।

जनसुनवाई में अवैध खनन, आयुष्मान कार्ड, बिजली एवं जल भराव की समस्या से जिलाधिकारी से की शिकायत

हरेंद्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद हापुड़ की नवीन जिलाधिकारी कविता मीना के द्वारा अपने कार्यालय कक्ष में उपस्थित होकर जनसुनवाई की गई। जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी को शिकायतकताओं द्वारा विभिन्न शिकायतों से अवगत कराया गया जैसे बिजली, आयुष्मान कार्ड, अवैध खनन सड़कों में जल भराव इत्यादि मुख्य रही। जिलाधिकारी ने शिकायतकर्ता की शिकायतों को लेकर संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसुनवाई के दौरान जो भी शिकायत प्राप्त हुई है उनका निस्तारण गुणवत्तापरख करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा की जनसुनवाई में आने वाले पीड़ित को न्याय दिलाना हमारा कर्तव्य है।

बराही जंगल में वन्यजीव का शिकार करने वाले अभियुक्त पुलिस मुठभेड़ में घायल,

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। 15.अप्रैल .2026 को रात्रि लगभग 11: बजे बराही के जंगल में शिकारियों द्वारा संरक्षित वन्यजीव (जंगली सूअर) का शिकार किया गया था तथा जान से मारने की नीयत से फायर किया गया था। उक्त घटना के संबंध में थाना माधौटांडा पर हरजिन्दर सिंह पुत्र कक्का सिंह, बलजीत सिंह पुत्र रतन सिंह निवासीगण ग्राम राघवपुरी थाना हजारा जनपद पीलीभीत एवं अन्य अज्ञात के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया था।

जिसमे 21.अप्रैल .2026 को समय करीब 21: बजे मुखबिर खास से सूचना प्राप्त हुई कि उक्त अभियोग से संबंधित अभियुक्तगण नवदिया गेस्ट

हाउस की ओर सीतापुर ब्रांच नहर के किनारे जंगल में मौजूद हैं। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की गई।

इस दौरान अभियुक्तों द्वारा पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायर किया गया, जिसके प्रत्युत्तर में पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ फायर किया गया। पुलिस कार्रवाई में एक अभियुक्त हरजिन्दर सिंह पुत्र कक्का सिंह निवासी ग्राम राघवपुरी थाना हजारा जनपद पीलीभीत, उम्र लगभग 28 वर्ष दाहिने पैर के घुटने के नीचे गोली लगने से घायल हो गया, जिसे मौके पर पकड़ लिया गया।

पकड़े गए घायल अभियुक्त के कब्जे से एक तमंचा 315 बोर, 02 जिन्दा कारतूस व 01 खोखा कारतूस बरामद हुआ है। घायल अभियुक्त को उपचार हेतु सीएचसी माधौटांडा भेजा गया है। अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम द्वारा तलाश जारी है। अवैध शस्त्र बरामदगी के संबंध में पृथक से अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही अमल में लाई जा रही है।

हरियाणा में मजदूरी करने गए युवक की हार्ट अटैक से मौत, गांव में शोक

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। जनपद के थाना सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र के गांव गोरा निवासी एक युवक की हरियाणा में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से परिवार में कोहराम मच गया। युवक मजदूरी के लिए हाल ही में घर से गया था।प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव गोरा निवासी लईक करीब चार-पांच दिन पहले हरियाणा के सोनीपत जिले के खरखौदा क्षेत्र में गन्ने की बुवाई के काम के लिए गया था। मंगलवार को काम के दौरान अचानक उसके सीने में तेज दर्द उठा, जिससे वह मौके पर ही गिर पड़ा। साथियों ने तत्काल घटना की सूचना ठेकेदार को दी और उसे नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित

कर दिया। डॉक्टरों के मुताबिक युवक की मौत हार्ट अटैक के कारण हुई है।घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उधर युवक की मौत की खबर मिलते ही गांव गोरा में मातम छा गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

किसानों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर DM को ज्ञापन सौंपा

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। पीलीभीत में नानक सागर बांध के विस्थापित किसानों ने बुधवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी (उ्द्ट) को एक ज्ञापन सौंपा। किसानों ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए वर्षों से लंबित मुआवजे के भुगतान की मांग की है।किसानों द्वारा सौंपे गए ज्ञापन के अनुसार, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 16 जनवरी 2025 को याचिका संख्या-9893/2024 और 28559/2024 में विस्थापित किसानों के पक्ष में आदेश पारित किया था। किसानों का आरोप है कि इस आदेश की प्रमाणित प्रति 1 फरवरी 2025 को ही संबंधित अधिकारियों को उपलब्ध करा दी गई थी। किसानों का कहना है कि आदेश की प्रति उपलब्ध कराने के बावजूद प्रशासन की ओर से अब तक

इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है, जिससे उनका लंबा इंतजार अब आक्रोश में बदल रहा है अधिकारियों की कथित टालमटोल नीति से क्षुब्ध होकर किसानों ने पुनः न्यायालय का रुख किया। न्यायालय ने अवमानना वाद संख्या-2250/2026 पर सुनवाई करते हुए प्रथम दृष्टया आदेश की अवहेलना मानी।मा. न्यायालय ने विपक्षी पक्ष (प्रशासन) को अंतिम अवसर देते हुए तीन माह के भीतर आदेश का अनुपालन करने के सख्त निर्देश दिए हैं। गढ़ीपट्टी, नानकमत्ता निवासी जरनैल सिंह और अन्य विस्थापित किसानों ने कहा कि वे लंबे समय से अपने हक की लड़ाई लड़ रहे हैं।उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने जल्द ही उन्हें मुआवजा नहीं दिलाया, तो यह उच्च न्यायालय के आदेशों की सीधी अवमानना होगी। किसानों ने कहा, 'हम केवल अपना हक मांग रहे हैं जो न्यायालय ने हमें दिया है। प्रशासन को अवमानना की स्थिति से बचने के लिए तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए।'

युवक ने बाग में पेड़ से लटककर की जीवनलीला समाप्त

लुकमान खान

पीलीभीत/पूरनपुर(वेलकम इंडिया)। कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मोहल्ला माहिगिरान के एक 22 वर्षीय युवक ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मोहल्ला माहिगिरान (वार्ड नंबर एक), शेरपुर कलां निवासी दानिश (22 वर्ष) पुत्र नसीम खां उर्फ सनी, कोतवाली रोड स्थित 'चीमा कार हाउस' में गाड़ियों पर लेमिनेशन का कार्य करता था। बुधवार सुबह वह घर से काम के लिए निकला था, लेकिन दोपहर करीब 11 बजे उसका शव 'कलम वाली बाग' (मलिक स्वर्गीय नवाब शमसुल हसन खां) में एक पेड़ से लटका हुआ पाया

गया।राहगीरों द्वारा बाग में शव लटका देखे जाने के बाद शोर मच गया, जिसके बाद परिजनों को सूचना दी गई।

मौके पर पहुंचे परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। युवक ने यह आत्मघाती कदम क्यों उठाया, इसका कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस मामले के हर पहलू की बारीकी से तफ्तीश कर रही है।

निगम ने 50 दुकानों से हटाया अतिक्रमण, जुमार्ना भी वसूला

आईजीआरएस व जनसुनवाई में आयी अतिक्रमण सम्बंधी शिकायतों पर की गयी कार्रवाई

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सहारनपुर। नगरायुक्त शिपू गिरि के निर्देश पर आज बेहट रोड व नुमाईश कैंप में नगर निगम द्वारा अतिक्रमणरोधी अभियान चलाया गया। इस दौरान करीब 50 दुकानों का अस्थायी तथा एक दर्जन दुकानों का स्थायी अतिक्रमण हटाया गया। आईजीआरएस व जनसुनवाई में आयी शिकायतों का तत्काल संज्ञान लेते हुए कार्रवाई की गयी। अतिक्रमणकारी दुकानदारों से सवा 14 हजार रुपये जुमार्ना भी वसूला गया।

नगर निगम द्वारा नुमायश कैंप में आईजीआरएस व गत दिवस जनसुनवाई में आयी शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई करते हुए आज प्रवर्तन दल की टीम ने भारतमाता चौक से पानी की टंकी तक 20 से अधिक दुकानों का अस्थायी व आधा दर्जन दुकानों का अस्थायी अतिक्रमण हटाया। कुछ

दुकानदारों का सामान जब्त किया गया लेकिन बाद में जुमार्ना लगाकर सामान वापिस कर दिया गया। नुमायश कैंप के प्रदीप त्यागी ने क्षेत्र में अतिक्रमण को लेकर आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत की थी।

जबकि गोपाल नगर निवासी समर वितराना ने गत दिवस जनसुनवाई में एक धुलाई सेंटर द्वारा किये गए अतिक्रमण की शिकायत की थी। उक्त धुलाई सेंटर के स्वामी ने सड़क पर रेलिंग लगाकर झूला भी लगा रखा था, जिसे निगम की प्रवर्तन दल टीम ने कार्रवाई करते हुए हटवा दिया और धुलाई सेंटर के स्वामी पर जुमार्ना भी लगाया।

सड़क पर रेत-बजरी फैलाकर अतिक्रमण करने वाले दुकानदार का भी चालान किया गया। नुमायश कैंप क्षेत्र के अतिक्रमणकारी दुकानदारों से सात हजार दो सौ रुपये जुमार्ना वसूला गया। इसके अतिरिक्त बेहट रोड पर बस स्टैण्ड से कोढ़ियों की पुलिया तक अतिक्रमणरोधी अभियान चलाते हुए 25 से अधिक दुकानों से अस्थायी और पांच दुकानों से स्थायी अतिक्रमण हटाया गया।

यहां भी करीब दस दुकानदारों से सात हजार रुपये जुमार्ना वसूला गया। कार्रवाई के दौरान प्रवर्तन दल प्रभारी कर्नल एच बी गुरुंग व हरिप्रकाश कसाना सहित प्रवर्तन दल की पूरी टीम शामिल रही।

खेत खलिहान की आवाज को मिला नया चेहरा

लुकमान खान

पीलीभीत/बीसलपुर(वेलकम इंडिया)। भारतीय किसान यूनियन भानू में संगठनात्मक मजबूती की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए बरेली मंडल अध्यक्ष लालू मिश्रा ने संचित दीक्षित को मंडल का वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोनीत किया है।ग्राम खरदाई, तहसील बीसलपुर निवासी संचित दीक्षित को यह जिम्मेदारी उनके संगठन के प्रति समर्पण, सक्रियता और किसानों के हित में किए जा रहे निरंतर कार्यों को देखते हुए सौंपी गई है।मंडल अध्यक्ष लालू मिश्रा ने मनोनयन पत्र जारी करते हुए विश्वास जताया कि संचित दीक्षित अपने पद की गरिमा बनाए रखते हुए संगठन को और मजबूत करेंगे तथा किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि संगठन की नीतियों और उद्देश्यों के अनुरूप किसानों के अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष जारी रखना ही प्राथमिकता होगी।

नव मनोनीत वरिष्ठ उपाध्यक्ष संचित दीक्षित ने संगठन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह किसानों की आवाज को मजबूती से उठाने और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।इस मौके पर मंडल अध्यक्ष लालू मिश्रा के साथ जिला मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र गुप्ता, तहसील मीडिया प्रभारी सबलू खान, लुकमान खान, जफर सहित कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

होमगार्ड भर्ती परीक्षा को नकलविहीन व पारदर्शी सम्पन्न कराने के निर्देश, कलेक्ट्रेट सभागार में हुई समीक्षा बैठक

वेलकम इंडिया ब्यूरो

अमेठी। जनपद में आगामी 25, 26 एवं 27 अप्रैल 2026 को आयोजित होने वाली होमगार्ड भर्ती परीक्षा को शांतिपूर्ण, नकलविहीन एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। इसी क्रम में आज कलेक्ट्रेट सभागार, गौरीगंज में पुलिस अधीक्षक सरवणन टी. एवं मुख्य विकास अधिकारी पूजा साहू द्वारा एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक, पुलिस केंद्र प्रभारी, सीसीटीवी कंट्रोल रूम प्रभारी तथा कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधियों सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अधिकारियों ने परीक्षा की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा करते हुए सभी जिम्मेदारों को स्पष्ट निर्देश दिए कि परीक्षा पूरी तरह निष्पक्ष और व्यवस्थित ढंग से कराई जाए।

पुलिस अधीक्षक एवं मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देशित किया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं।

अभ्यर्थियों के बैठने की व्यवस्था अनुक्रमांक के अनुसार की जाए तथा प्रत्येक केंद्र पर सीसीटीवी कैमरों की समुचित व्यवस्था रहे।

परीक्षा के दौरान कड़ी निगरानी रखने के लिए पुलिस बल, फ्लाइंग स्क्वॉड एवं सीसीटीवी सिस्टम का प्रभावी उपयोग किया जाएगा।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि परीक्षा केंद्रों के भीतर किसी भी प्रकार की प्रतिबंधित वस्तु के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

इसके लिए अभ्यर्थियों की सघन तलाशी ली जाएगी। साथ ही शासन एवं परीक्षा बोर्ड द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। परीक्षा को सुचारू रूप से सम्पन्न कराने के लिए सभी विभागों के बीच समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए गए।

गौरतलब है कि जनपद के कुल आठ परीक्षा केंद्रों पर यह भर्ती परीक्षा आयोजित की जाएगी, जिसमें प्रतिदिन लगभग 2640 अभ्यर्थी शामिल होंगे। प्रशासन ने परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए व्यापक तैयारियां सुनिश्चित की हैं।

बैठक में अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) अनिल चतुर्वेदी, अपर पुलिस अधीक्षक ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अंशुमान सिंह, डीईएसटीओ पन्नालाल, जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. राजेश द्विवेदी सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

श्री पीताम्बरा आश्रम में शुक्रवार को बगलामुखी जयन्ती समारोह, यज्ञार्चन एवं विभिन्न अनुष्ठान होंगे

वेलकम इंडिया ब्यूरो

बांसवाड़ा। गायत्री मण्डल द्वारा 24 अप्रेल, शुक्रवार को श्री पीताम्बरा आश्रम में बगलामुखी जयन्ती विभिन्न अनुष्ठानों के साथ मनाई जाएगी। इसके अन्तर्गत शुक्रवार को आश्रम परिसर में बगलामुखी साधना के विभिन्न अनुष्ठान होंगे। इस दौरान हरिद्रागणेश, स्वर्णाकर्षण भैरव, महामृत्युन्जय उपासना के उपरान्त बगलामुखी (पीताम्बरा) आराधना में विभिन्न स्तोत्रों, जप, यंत्रार्चन, सहस्त्रनामावलि से पीतार्चन, पीताम्बरा यज्ञार्चन, दीपदान सहित विभिन्न अनुष्ठान होंगे। शाम 7 बजे यज्ञ पूणार्हुति के उपरान्त महाआरती एवं पुष्पान्जलि विधान निर्धारित है। इसके बाद पीताम्बरा साधना परम्परा के अनुरूप महाप्रसादम् होगा। इसमें बगलामुखी साधना के जिज्ञासुओं को पीताम्बरा उपासना से संबंधित प्रारंभिक जानकारी दी जाएगी और जाने-माने बगलामुखी साधक, गायत्री मण्डल मे संस्थापक अध्यक्ष देवर्षि पं. महादेव शुक्ल द्वारा प्रकाशित पीताम्बरा साधना साहित्य प्रदान किया जाएगा। शुक्रवार को होने वाले बगलामुखी जयन्ती समारोह की तैयारियों को लेकर आयोजन समिति की बैठक गायत्री मण्डल के मुख्य संरक्षक दिलीप गुप्ता

की अध्यक्षता में बुधवार शाम आश्रम कार्यालय में हुई। इसमें विभिन्न तैयारियों की रूपरेखा को अंतिम रूप प्रदान किया गया। बैठक में गायत्री मण्डल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोहर जोशी, सचिव विनोद शुक्ल, कोषाध्यक्ष अनन्त जोशी सहित अन्य पदाधिकारियों एवं आश्रम प्रबन्धन से जुड़े कार्यकताओं ने हिस्सा लिया। बैठक में बताया गया कि जयन्ती समारोह में श्री पीताम्बरा आश्रम की ओर से बगलामुखी उपासना से संबंधित वार्षिक प्रशिक्षण एवं संवाद कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार कर इस साधना से संबंधित भ्रान्तियों को दूर करने, प्रशिक्षण, बगलामुखी साधना सीखने के जिज्ञासुओं के लिए योग्य मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण सत्र संचालित करने तथा वर्ष भर विशेष अवसरों पर बगलामुखी साधना के आयोजनों पर भी वार्षिक रूपरेखा बनाई जाएगी।

पृथ्वी दिवस पर हरित संकल्प की गूंज, बमनपुरी स्टेडियम बना पर्यावरण संरक्षण का केंद्र

गुलजार आलम

रामपुर(वेलकम इंडिया)। विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी के नेतृत्व में बमनपुरी स्टेडियम में पौधारोपण कार्यक्रम गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर 'मां के नाम एक पौधा' अभियान के अंतर्गत अधिकारियों एवं स्कूली बच्चों द्वारा पौधारोपण किया गया। उपस्थित सभी अधिकारियों व स्कूली बच्चों ने न केवल पौधे लगाए, बल्कि उनके संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना तथा अधिक से अधिक पौधारोपण के लिए प्रेरित करना रहा। जिलाधिकारी ने कहा कि पृथ्वी दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि प्रकृति और पर्यावरण का संरक्षण हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि केवल पौधारोपण करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल और संरक्षण सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में कम से कम एक पौधा

लगाकर उसकी देखभाल करे, तो पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन, बढ़ता प्रदूषण एवं घटते वन क्षेत्र आज वैश्विक चिंता के विषय हैं, जिनसे निपटने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। ऐसे में 'मां के नाम एक पौधा' जैसे अभियान न केवल भावनात्मक रूप से लोगों को जोड़ते हैं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनकी जिम्मेदारी को भी मजबूत करते हैं। इस अवसर पर प्रभागीय वनाधिकारी प्रणव जैन, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) संदीप कुमार वर्मा, जिला क्रीड़ा अधिकारी संतोष कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

ब्रजभाषा काव्य गायन से गूंज उठी सूर तपोस्थली

महाकवि सूरदास की दो दिवसीय जयंती महोत्सव का भव्य शुभारंभ

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के तत्वावधान में महाकवि सूरदास जी की जयंती के उपलक्ष्य में मंगलवार को उनकी तपोस्थली पारसोली (गोवर्धन) स्थित चंद्र सरोवर के ओपन एयर थिएटर पर अखिल भारतीय ब्रजभाषा कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सूरकुटी पर पद गायन एवं आकर्षक फूल बंगला सजाया गया, जिससे संपूर्ण परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर हो उठा।

प्रातःकाल कलाकार पं. मयूर कौशिक द्वारा सूरकुटी पर सूरदास जी के पदों का भावपूर्ण गायन प्रस्तुत किया गया। वहीं, भक्तों द्वारा सुंदर फूल बंगला सजाकर एवं पुष्पांजलि सभा आयोजित कर महान संत-कवि को श्रद्धासुमन अर्पित किए गए।

इस अवसर पर 'सूर सेवा संस्थान, पारसोली' एवं 'ब्रज साहित्य परिषद, पारसोली' के संयुक्त तत्वावधान में सूरकुटी पर साहित्यिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता बलदेव के वरिष्ठ साहित्यकार राधा गोविंद पाठक ने की। संगोष्ठी में ब्रजभाषा के कवियों ने काव्य पाठ कर सूरदास जी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम में 'सूर सेवा संस्थान' के महामंत्री डॉ. बृज गोपाल कौशिक एवं कोषाध्यक्ष देवेंद्र शर्मा ने कवियों एवं संतों का सम्मान किया। बालकिशन मुखिया ने भी सूरदास जी के पदों का सुमधुर गायन प्रस्तुत किया। वहीं, रमेश चंद शर्मा एवं नेत्रपाल शर्मा की देखरेख में फूल बंगला सजाया गया तथा सायंकाल पुष्पांजलि सभा संपन्न हुई।

रात्रि आठ बजे से चंद्र सरोवर स्थित ओपन एयर थिएटर पर अखिल भारतीय ब्रजभाषा कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ, जिसमें राधा गोविंद पाठक (बलदेव), नरेंद्र शर्मा 'नरेंद्र' (अलीगढ़), हरिवल्लभ 'ओम' (पारसोली), सुरेंद्र सार्थक (डीग), लटूरी 'लट्टू' (टुंडला), भगवान मकरंद (कामां), के.सी. गौड़ (राधाकुंड), रामसखी एवं संयोजक गोपाल प्रसाद 'गोप' सहित अनेक कवियों ने अपनी रचनाओं से ब्रजभाषा की समृद्ध परंपरा को जीवंत किया। सूरकुटी पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में रश्मि वर्मा ने अतिथियों एवं कवियों का स्वागत किया। कवि सम्मेलन में भाग लेने वाले सभी कवियों को उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की ओर से डिप्टी सीईओ सतीश चंद्र, आर.पी. सिंह यादव, दिनेश खन्ना, चंद्र प्रताप सिंह सिकरवार एवं के.एल. वर्मा द्वारा पटुका पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं साहित्यप्रेमी उपस्थित रहे। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के कोऑर्डिनेटर चंद्र प्रताप सिंह सिकरवार के अनुसार 22 अप्रैल बुधवार को सायं कलाकार पूर्ण प्रकाश कौशिक और जेएस मधुकर का भजन गायन और सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन होंगे।

श्रीराधा दामोदर मन्दिर में अक्षय तृतीया पर हुआ 'श्री दामोदर सुधा' पंचांग व कैलेंडर का विमोचन

डॉ. गोपाल चतुर्वेदी

वृन्दावन(वेलकम इंडिया)। सेवाकुंज क्षेत्र स्थित प्राचीन ठाकुर श्रीराधा दामोदर मन्दिर में अक्षय तृतीया के अवसर पर मन्दिर की प्रधान सेवायत आचार्या श्रीमती तरुलता गोस्वामी जी (मां गुसाई) के पावन सान्निध्य में 'श्री दामोदर सुधा' मासिक पत्रिका के अप्रैल 2026 अंक व्रतोत्सव निर्णय पंचांग का विमोचन किया गया। साथ ही श्रीराधा दामोदर की छवि के साथ संलग्न कैलेंडर का भी विमोचन किया गया। जो कि हिदू पंचांग के आधार पर बनाया गया है। इसमें 19 मार्च 2026 से लेकर 06 अप्रैल 2027 तक की सभी तिथियों और पर्व त्योहारों आदि का विस्तृत विवरण है। मन्दिर के वरिष्ठ सेवायत आचार्य करुण कृष्ण गोस्वामी एवं आचार्य कृष्ण बलराम गोस्वामी ने बताया कि श्री जीव गोस्वामी सेवा ट्रस्ट (रजिस्टर्ड) के द्वारा प्रकाशित व बाबा किशोरी दास महाराज के द्वारा निर्मित 'श्री दामोदर सुधा' मासिक पत्रिका के अप्रैल 2026 अंक व्रतोत्सव निर्णय पंचांग का संपादन परमेश्वर दास ने किया है। उन्होंने कहा कि हमारे पूज्य पिताश्री निर्मल चंद्र गोस्वामी के शुभ आशीर्वाद एवं सद्प्रेरणा से 'श्री दामोदर सुधा' मासिक पत्रिका को देश भर में श्री जीव गोस्वामी सेवा ट्रस्ट (रजिस्टर्ड) के द्वारा निःशुल्क वितरित किया जाता है। जिससे असंख्य व्यक्ति लाभान्वित होते हैं।

इस अवसर पर मन्दिर के सेवायत आचार्य पूर्णचन्द्र गोस्वामी महाराज, ब्रज साहित्य सेवा मंडल के अध्यक्ष व प्रख्यात साहित्यकार 'यूपी रत्न' डॉ. गोपाल चतुर्वेदी, आध्यात्मिक पत्रकार डॉ. राधाकांत शर्मा आदि के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के तमाम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सिटी मजिस्ट्रेट से मिला महिला शिक्षक संघ का प्रतिनिधिमंडल

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। उत्तर प्रदेश महिला शिक्षक संघ की जिलाध्यक्ष दिव्या मिश्रा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल सिटी मजिस्ट्रेट मथुरा से मिला।उन्हें ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया कि दिव्यांग ,असाध्य रोग से पीड़ित शिक्षकों व गर्भवती शिक्षिकाओं, बाल्य देखभाल अवकाश पर गई शिक्षिकाओं , सेवा निवृत्ति के करीब होने वाले शिक्षकों की जनगणना कार्य में ड्यूटी न लगायी जाए । जनगणना में लगे शिक्षकों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाए व शिक्षकों पर अतिरिक्त कार्यभार न डाला जाए साथ ही साथ ये कोशिश की जाए कि प्रधानाध्यापकों की ड्यूटी न लगाई जाए जिससे विद्यालय का कोई भीं कार्यक्रम बाधित न हो। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष दिव्या मिश्रा (जिला अध्यक्ष उ. प्र.महिला शिक्षक संघ), उपाध्यक्ष रचना कुमारी ,संगठन मंत्री पूनम गर्ग ,खुशबू श्रीवास्तव , अन्जु, महामंत्री गीता रावत, पिंकी, कोषाध्यक्ष मनीषा, सयुंक्त मंत्री सुनीता, अकाउंटेंट उमा, उपाध्यक्ष दीप्ती आदि शामिल रहे ।

समस्त ब्रजवासियों के प्राण प्रिय हैं भगवान श्रीकृष्ण : कृष्ण चन्द्र शास्त्री ठाकुरजी महाराज

डॉ. गोपाल चतुर्वेदी

वृन्दावन(वेलकम इंडिया)। रमणरेती-परिक्रमा मार्ग स्थित प्राचीन वन विहार (आचार्य पीठ टोपी कुंज) में अनंतश्री विभूषित जगद्गुरू निंबाकार्चार्य श्रीमन्मुकुंद देवाचार्य सेवा समिति चैरिटेबल ट्रस्ट (रजि.) के द्वारा द्वादश दिवसीय जगद्गुरू श्रीनिंबाकार्चार्य श्रीमन्मुकुंद देवाचार्य पाटोत्सव विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ अत्यंत श्रद्धा एवं धूमधाम के साथ चल रहा है। जिसके अंतर्गत आचार्य पीठ-टोपी कुंज के अध्यक्ष जगदगुरू श्रीनिंबाकार्चार्य श्रीश्रीललिताशरण देवाचार्य महाराज की अध्यक्षता में चल रही सप्त दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन विश्वविख्यात 'भागवत भास्कर' कृष्ण चन्द्र शास्त्री ठाकुरजी महाराज ने अपनी सुमधुर वाणी के द्वारा समस्त भक्तों-श्रद्धालुओं को भगवान श्रीकृष्ण के जन्म की कथा श्रवण कराते हुए कहा कि पृथ्वी पर जब-जब पाप और अधर्म बढ़ने लगता है तथा धर्म की हानि होती है, तब-तब अखिल कोटि ब्रह्माण्ड नायक परब्रह्म परमेश्वर भगवान नारायण किसी न किसी रूप में अवतरित होकर पाप और अधर्म का नाश करते हैं। साथ ही धर्म की पुनः स्थापना करके भक्तों के सभी संकटों को हर लेते हैं।द्वापर युग में जब मथुरा के राजा कंस के अत्याचारों से ब्रजभूमि त्रस्त हो गई थी, तब भगवान श्रीकृष्ण ने जन्म लेकर कंस का अंत किया।साथ ही ब्रजवासियों को पापी राजा के अत्याचारों से मुक्ति दिलाई। इसीलिए वे ब्रजवासियों के प्राण प्रिय हैं। श्रद्धेय ठाकुरजी महाराज ने कहा कि द्वापर में पृथ्वी पर भगवान श्रीकृष्ण ने अवतार लेकर उन ऋषियों, मुनियों व तपस्वियों की मनोकामनाओं को पूर्ण किया, जिन्होंने युगों-युगों से प्रभु को पाने के लिए कठोर तप व कठिन भगवद साधना की थी।उन ऋषियों, मुनियों व तपस्वियों ने भी अपनी कठोर तप व भगवद साधना के फलस्वरूप भगवान श्रीकृष्ण के समकालीन गोप-गोपियों और भगवान के सखाओं के रूप में जन्म लिया। कथा में 'यूपी रत्न' डॉक्टर गोपाल चतुर्वेदी ने ब्रज साहित्य सेवा मंडल के द्वारा श्री ललिता शरण देवाचार्य महाराज एवं भागवत भास्कर कृष्ण चंद्र शास्त्री ठाकुर जी का शॉल उढ़ाकर व ठाकुरजी का पटका, प्रसादी, माला आदि भेंट कर सम्मान किया। महोत्सव में भागवताचार्य रामनिवास शास्त्री, महावीर शरण शास्त्री, आचार्य हरिहर मुद्गल, डॉ. राजेश सूद, श्याम सुन्दर शर्मा आदि के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के तमाम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

गोवर्धन में परशुराम भगवान की मूर्ति लगाने की उठी मांग, संतों ने किया समर्थन

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। गोवर्धन में सौंख तिराहे पर भगवान परशुराम की मूर्ति लगाने की मांग जोर पकड़ती जा रही है,बुधवार को श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर केस में याचिकाकर्ता दिनेश फलाहारी महाराज ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर मांग की है कि मथुरा जनपद में कन्ही पर भी भगवान परशुराम जी का मंदिर है और ना ही किसी चौराहे पर भगवान परशुराम जी का मूर्ति है। गोवर्धन में ज्यादातर आने वाले यात्रीयों और यहां के निवासियों के लिए भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम की मूर्ति लगना बहुत ही जरूरी है।

गोवर्धन के विधायक भी भगवान परशुराम जी के उपासक हैं और सभी साधु संतों की भी यही कामना है कि गोवर्धन में भगवान परशुराम जी की बड़ी मूर्ति लगे। भगवान परशुराम हिंदुओं के गौरव हैं।

उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल ने मेडिकल कॉलेज की स्थापना के संबंध में जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी से वार्ता की

गुलजार आलम

रामपुर(वेलकम इंडिया)। उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल कॉलोनी कार्यालय से एक प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी महोदय से मिलने जिला कलेक्ट्रेट पहुंचा वहां पहुंचकर प्रतिनिधिमंडल ने मेडिकल कॉलेज की स्थापना के संबंध में जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी से भेंट वार्ता की इस पर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप अग्रवाल सोनी जी ने कहा कि जनपद रामपुर में जिला चिकित्सालय में 600 बेड का मेडिकल कॉलेज की शुरूआत होना अति आवश्यक है क्योंकि इसे शुरू न होने से प्रत्येक वर्ष लगभग 20 हजार मृत्यु हो रही है हजारों मरीज जिला चिकित्सालय से रेफर होने के पश्चात बाहर निकलते ही दम तोड़ देते हैं क्योंकि जनपद रामपुर के जिला चिकित्सालय में विभिन्न रोगोके डॉक्टर जैसे हार्ट, ब्रेन, लिवर ,किडनी, जनरल फिजिशियन आदि न होने के कारण जनता बुरी तरह से तड़प रही है अलीगंज बेनजीर गाटा संख्या 476, 481, 482 ,483 व 122 जो की बाग गुलजार ग्राम जगतपुर में स्थित है इस जमीन को मेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिए चिन्हित किया गया जो की जमीन उधान विभाग की है इस पर दिनांक 7/ 12/ 2021 को सारी रिपोर्ट तैयार कर ली गई उसके पश्चात सारी रिपोर्ट तैयार के बाद 15 /12 /2021 को मुख्य चिकित्सा अधीक्षक रामपुर को मेडिकल कॉलेज की स्थापना के संबंध में निर्माण हेतु भूमि उपलब्ध के लिए एक पत्र जारी किया गया।

उसके पश्चात 14/ 12/ 2021 को जिलाधिकारी कार्यालय में रिपोर्ट सौप दी गई 22 दिसंबर 2021 को निदेशक उद्यान एवं खाद प्र संस्करण उत्तर प्रदेश टू सप्रू मार्ग लखनऊ को एक लेटर उद्यान विभाग की भूमि स्थानांतरण मेडिकल कॉलेज के लिए करने के लिए पत्र लिखा गया लेकिन आज तक उस पत्र का उद्यान विभाग की तरफ से कोई भी जवाब नहीं आया है उसके पश्चात जनपद रामपुर में इन्वेस्टर की टीम सर्वे करने के लिए आई इसकी जानकारी भी प्राप्त की गई लगभग रामपुर का मेडिकल कॉलेज को सरकार की तरफ से मंजूरी की स्थिति पर है इस संबंध में मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय से एक लेटर 28 3 2021 को जिलाधिकारी महोदय के कार्यालय को मंजूरी के लिए पुनः लिखा गया हैराष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप अग्रवाल सोनी जी का कहना है कि जल्दी रामपुर में मेडिकल कॉलेज की सौगात मिलेगी।

आगरा में बढ़ती गर्मी के बीच यातायात पुलिस द्वारा लोगों से

मयूर खान

आगरा(वेलकम इंडिया)। आगरा में सहयोग की अपील की गई है। एसीपी ट्रैफिक इमरान अहमद ने सड़क पर ड्यूटी कर रहे ट्रैफिक कर्मियों की स्थिति को लेकर चिंता जताई और आम जनता से नियमों का पालन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में ट्रैफिक पुलिस के जवान तेज धूप, प्रदूषण और डिहाइड्रेशन जैसी समस्याओं का सामना करते हुए अपनी ड्यूटी निभाते हैं। ऐसे में वाहन चालकों का कर्तव्य है कि वे ट्रैफिक नियमों का पालन करें और पुलिस का सहयोग करें। इस दौरान अधिकारियों ने मौके पर मौजूद ट्रैफिक कर्मियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं भी जानीं और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

साइबर सेल, थाना शाहबाद द्वारा आवेदक की शतप्रतिशत धनराशी आवेदक के खाते में वापस करायी गयी

वेलकम इंडिया संवाददाता

रामपुर। आवेदक द्वारा थाना शाहबाद पर किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा अपना रिश्तेदार बताकर आवेदक के खाते में रुपये भेजने के नाम पर QR Code भेजकर आवेदक से 2300/- रुपये डलवाने के सम्बन्ध में शिकायती दर्ज करायी गयी ।

पुलिस उपमहानिरीक्षक साइबर क्राईम उत्तर प्रदेश महोदय द्वारा साइबर अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण व साइबर अपराध के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान द्वारा साइबर अपराध व अपराधियों के विरूद्ध प्रभारी कार्यवाही किये जाने के क्रम में श्री सोमेन्द्र मीना पुलिस अधीक्षक, रामपुर व श्री अनुराग सिंह अपर पुलिस अधीक्षक,रामपुर(नोडल ऑफिसर साईबर अपराध) के कुशल नेतृत्व में उक्त प्रकरण में साईबर सैल थाना शाहबाद द्वारा तकनीकी संसाधनों का प्रयोग करते हुए अभियुक्त के खाते की जानकारी प्राप्त कर त्वरित कार्यवाही करते हुए आवेदक की 2300 रुपये की धनराशि आवेदक के बैंक खाते में दिनांक 22.04.2026 को वापस करायी गयी ।

उक्त बरामदगी एवं सराहनीय कार्य के लिए आवेदक द्वारा आभार प्रकट किया गया । निश्चित ही साइबर सैल शाहबाद की इस कार्यवाही से जनता के मन में रामपुर पुलिस के प्रति विश्वास सदृढ हुआ है ।

आवेदक को यह भी बताया गया है कि प्रलोभन में आकर किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें, अपना खाता संख्या, पिन, ओटीपी, सीवीवी नम्बर, आदि गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा न करें। साइबर फ्राड/धोखाधड़ी होने पर तत्काल आनलाईन बेबसाइट www.cybercrime.gov.in पर शिकायत करें या 1930 पर कॉल कर अपनी शिकायत दर्ज कराये । साइबर सेल टीम थाना शाहबाद जनपद रामपुर।

स्मार्ट मीटर पर सियासत गरम: विधानसभा चुनावों में बन सकता है बड़ा मुद्दा

वेलकम इंडिया संवाददाता

गुलाब सिंह उर्फ गब्बर सैनी ने बताया, 'अगर कोई तकनीकी दिक्कत आ जाए तो तुरंत समाधान नहीं मिलता। इससे लोगों में नाराजगी बढ़ रही है।'

रूपकिशोर सैनी (दुकानदार) कहते हैं, 'प्रीपेड सिस्टम में सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि बैलेंस खत्म होते ही बिजली कट जाती है। दुकान चलाना मुश्किल हो जाता है।'

मुनीश स्वरूप एडवोकेट (स्थानीय निवासी) का कहना है, 'स्मार्ट मीटर लगने के बाद हमारा बिजली बिल पहले से काफी ज्यादा आने लगा है। समझ में नहीं आता कि खपत बढ़ी है या सिस्टम में गड़बड़ी है।'

ओमवीर सिंह (युवा उपभोक्ता) का कहना है, 'मोबाइल से रिचार्ज और खपत देखना आसान है, लेकिन कई बार डेटा सही नहीं दिखता, जिससे परेशानी होती है।'

गोवर्धन। उत्तर प्रदेश में बिजली के स्मार्ट मीटर अब सिर्फ तकनीकी बदलाव का विषय नहीं रह गए हैं, बल्कि तेजी से राजनीतिक रंग लेते नजर आ रहे हैं। कई शहरों और कस्बों में उपभोक्ताओं की बढ़ती शिकायतों के बीच यह मुद्दा आगामी विधानसभा चुनावों में अहम भूमिका निभा सकता है। स्मार्ट प्रीपेड मीटर को पारदर्शिता और बेहतर बिलिंग व्यवस्था के उद्देश्य से लागू किया गया था, लेकिन जमीनी स्तर पर कई उपभोक्ताओं ने इसे लेकर असंतोष जताया है। लोगों का आरोप है कि नए मीटर लगने के बाद बिजली बिल में अचानक वृद्धि हुई है, वहीं कई मामलों में गलत रीडिंग और बिना सूचना बिजली कटने की शिकायतें भी सामने आई हैं।

मथुरा गोवर्धन सहित अन्य ग्रामीण क्षेत्रो में इस मुद्दे को लेकर विरोध प्रदर्शन भी हुए हैं। उपभोक्ताओं का कहना है कि प्रीपेड व्यवस्था में बैलेंस खत्म होते ही बिजली कट जाती है, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। खासकर मध्यम वर्ग और छोटे व्यापारियों के लिए यह व्यवस्था परेशानी का कारण बन रही है। वहीं, सरकार इस योजना को बिजली क्षेत्र में सुधार की दिशा में बड़ा कदम बता रही है।

अधिकारियों के अनुसार, स्मार्ट मीटर से न सिर्फ बिजली चोरी पर रोक लगेगी, बल्कि उपभोक्ताओं को अपनी खपत की सटीक जानकारी भी मिलेगी। शिकायतों को देखते हुए सरकार ने जांच और समाधान के लिए विशेष अभियान भी शुरू किए हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि बिजली जैसे बुनियादी मुद्दे का सीधा असर मतदाताओं पर पड़ता है। ऐसे में यदि समस्याएं जल्द हल नहीं हुईं, तो विपक्ष इसे चुनावी मुद्दा बनाकर सरकार को घेर सकता है। दूसरी ओर, अगर व्यवस्था में सुधार होता है और उपभोक्ताओं का भरोसा बढ़ता है, तो यह सरकार के पक्ष में भी जा सकता है। फिलहाल, स्मार्ट मीटर का मुद्दा उत्तर प्रदेश की राजनीति में धीरे-धीरे अपनी जगह बना रहा है। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि यह तकनीकी पहल चुनावी रणभूमि में कितना बड़ा हथियार बनती है।

लोहे के तार से पतंग उड़ाने से लोगों के घर की बिजली हुई गुल: चायनीज मांझा बना मौत का सामान

गुलजार आलम

रामपुर(वेलकम इंडिया)। रामपुर में कडी पाबंदियों के बावजूद भी चायनीज मांझा मौत का सामान बन चुका हैं। अब तक सैकड़ों की संख्या में लोग इस मौत के मांझे की लपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो चुके हैं वहीं पतंगबाजी के कारण पहाड़ी गेट, शाहबाद गेट व डूंगरपुर बिजली घर की विद्युत आपूर्ति बंद कर दी जाती हैं।

इस भयंकर गर्मी में घंटो पतंगबाजी के कारण बंद की जा रहीं बिजली की वजह से घरों में महिलाएं, बूढे व बच्चें को परेशानी का सामना करना पड़ रहा हैं।

रामपुर में चायनीज मांझे को लेकर लगातार पुलिस प्रशासन सतर्कता बरत रहा हैं लेकिन इसके बाद भी चायनीज मांझे की बिक्री पर रोक नहीं लग सकी हैं जो जिला व पुलिस प्रशासन की बड़ी नाकामी दर्शा रहा हैं।

रामपुर में चायनीज मांझे ने सैकड़ो की संख्या में लोगों को गंभीर रूप से घायल कर दिया हैं और कई मौते भी हो चुकी हैं लेकिन इस खूनी मांझे का खेल खत्म नहीं हो रहा हैं। पुलिस प्रशासन लगातार पतंग बेचने वालों की दुकानों पर छापामार कार्यवाही कर रहा हैं लेकिन उसे कोई सफलता नहीं मिल रहीं हैं उधर विद्युत विभाग चायनीज मांझे से परेशान हैं और शाम को पतंगबाजी के समय कई घंटों तक बिजली आपूर्ति बंद कर देता हैं। इस भयंकर भीषण गर्मी में विद्युत आपूर्ति कई घंटों के लिए बंद होने के कारण घरों की महिलाएं, बूढ़े और बच्चों का बुरा हाल हो जाता हैं।

जिसका कोई मजबूत विकल्प फिलहाल दिखता नजर नहीं आ रहा हैं। लोगों का कहना हैं कि विद्युत विभाग द्वारा शाम को पतंगबाजी के नाम की जा रहीं अंधाधुंध कटौती पर अंकुश लगे और पुलिस प्रशासन पतंगबाजों के खिलाफ ठोस कानूनी कार्यवाही अमल में लाये ताकि इस खूनी खेल का अंत हो सकें।

डीएम की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई आयोजित

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी उपस्थित रहे। बैठक में सड़क सुरक्षा समिति की विगत बैठकों में दिए गए निदेर्शों की विभिन्न विभागों द्वारा अनुपालन आख्या एवं कृत कार्यवाही की समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने एन0एच0ए0आई0 मार्ग के किनारे झाड़ियों की साफ-सफाई, पटरी मरम्मत, नाली मरम्मत एवं अवैध कट्स आदि के सम्बन्ध में सड़क सुरक्षा से संबंधित बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा की गयी। मार्ग के किनारों पर झाड़ियों के साफ सफाई के संबंध में एन0एच0ए0आई0 के प्रतिनिधि को निर्देशित किया गया।

एनएचएआई मार्ग पर दुर्घटना आदि की स्थिति में एंबुलेंस एवं क्रेन की उपलब्धता के बारे में जिलाधिकारी ने एनएचएआई प्रतिनिधि को जनपद में क्रेन की व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया।

जिलाधिकारी ने परिवहन विभाग/यातायात पुलिस को निर्देश दिया कि सड़कों पर गलत साइड एवं नो-पार्किंग में खड़े वाहनों का नियमित तौर पर जांच कर चालान किया जाए तथा चालान किए गए वाहनों की संख्या को भी दशार्या जाए।

उन्होंने परिवहन एवं संबंधित पुलिस अधिकारी को निर्देशित किया कि जनपद में अभियान चलाकर माल वाहक गाड़ियों के पीछे विशेष तौर पर ट्रैक्टर ट्राली के पीछे रिफलेक्टर रेडियम पट्टी लगाया जाए जिससे दुर्घटना होने की संभावनाओं से बचा जा सके। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि जनपद के मुख्य चौराहों पर यातायात के समुचित व्यवस्था हेतु ट्रैफिक लाईट की व्यवस्था करायी जाय तथा सुरक्षा के दृष्टिकोण से सम्बंधित संकेतकों को भी स्पष्ट रूप से दशार्या जाए।

जिलाधिकारी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रत्येक ब्लैक स्पॉट पर टेबल टॉप रम्बल स्ट्रिप बनाया जाय एवं सीट बेल्ट व हेलमेट का पालन करने हेतु प्रचार-प्रसार किया जाय तथा सीट बेल्ट व हेलमेट का प्रयोग न करने वालों के विरूद्ध विधिक कार्यवाही एवं नियमानुसार चालान भी किया जाय। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि समस्त विभाग सड़क सुरक्षा सम्बंधित नियमों का पालन करने के दृष्टिगत आम नागरिकों को प्रचार-प्रसार के विभिन्न माध्यमों से जागरूक करें।

जिलाधिकारी द्वारा परिवहन विभाग को निर्देशित किया गया की जनपद के समस्त स्कूली वाहनों का शत प्रतिशत सत्यापन किया जाय, वाहनों की परमिट एवं फिटनेस की जांच एक निश्चित समय अंतराल पर की जाती रहे और समस्त अनफिट वाहनों का चालान कर बंद कराया जाए। उन्होंने कहा कि इसको गंभीरता से लिया जाए, किसी भी विद्यालय में एक भी अनफिट वाहन नहीं चलने चाहिए। उन्होंने कहां की जनपद में चल रहे 15 वर्ष से पुराने वाहनों का चिन्हीकरण करते हुए उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाए।

एआरटीओ द्वारा अवगत कराया गया कि 15 वर्ष से अधिक वाहनों पर कार्यवाही करते हुए वाहनों को निष्प्रयोज्य कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि स्कूली वाहनों को अनफिट पाए जाने पर संबंधित थानों को सूची भेज दी गई है। इस अवसर पर पुलिस क्षेत्राधिकारी यातायात प्रियम राजशेखर पांडेय, अधिशाषी अभियंता लोक निर्माण आर0 के0 पांडेय, एआरटीओ प्रियंवदा सिंह, सहायक अभियंता लोक निर्माण विमल कुमार सहित संबंधित अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

सड़कों पर खुलेआम दौड़ रहे खटारा वाहन, नियमों का हो रहा उल्लंघन

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। मानकों की अनदेखी कर खटारा पिक अप कार में पानी के कैम्पर भरकर सप्लाई की जा रही है। कस्बा निवासी एक समाज सेवी युवक ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर कार्रवाई की मांग की है। योगी सरकार में हर विभागीय अधिकारी अपनी ड्यूटी को लेकर पूरी तरह सजग है। लेकिन कुछ विभागीय अधिकारियों की अनदेखी के चलते अनियमिताएं कही ना कही दिखाई दे जाती है। ऐसा ही एक मामला कस्बे की सड़कों पर नजर आया है। एक खटारा पिक गाड़ी खुले आम सड़कों पर दौड़ रही है। इस पिकअप गाड़ी में पानी के कैम्पर भरकर सप्लाई की जाती है। इतना ही नहीं इस गाड़ी में पानी से भरा एक बड़ा टैंक भी रखा हुआ होता है। राम भरोसे सड़कों पर दौड़ रही यह पिक अप कार का दूसरा नाम चलता फिरता यमराज कहना अनुचित नहीं होगा। बेखौफ होकर दौड़ रही यह पिक अप कार विभागीय अधिकारियों को खुलेआम चुनौती दे रही है। सूत्रों की माने तो यह पिक अप कार सीमावर्ती जनपद बागपत स्थित एक पानी के प्लांट की है। मामले में एआरटीओ रोहित कुमार का कहना है कि मामला जानकारी में नहीं है। जल्द ही कार्रवाई की जाएगी।

आर. आर. पब्लिक स्कूल में ताइक्वांडो कलर बेल्ट प्रतियोगिता का आयोजन

नितिन शर्मा

नूरपुर(वेलकम इंडिया)। स्योहारा रोड़ स्थित आर. आर. पब्लिक स्कूल में ताइक्वांडो कलर बेल्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा और तकनीकी कौशल का लोहा मनवाया। इस प्रतियोगिता में मनमीत कौर , अनमोल कुमार, परी, तेजवीर, आन्या यादव, दुर्गा,नायरा सरीन, दृष्टि ठाकुर, गुंजित राजपूत, चैयरी त्यागी ने यलो बेल्ट विहान कौशिक, कृत्वी डबास, अक्षिका,पांशुल कंधालिया, झनक राजपूत अणिका, हेयांश, शिवाय चौधरी, आदि शर्मा ने ब्लू बेल्ट आयुषी वर्मा,मानवी दिवाकर, स्पर्श सिंह, आयुषी कुमारी,शिखा अग्रवाल,दक्ष कुमार, आराध्या कुमार, परमजीत कौर, सरबजीत सिंह ने ग्रीन बेल्ट जीतने में सफलता प्राप्त की । ताइक्वांडो कोच जीवन सिंह के नेतृत्व में बच्चों की मानसिक एकाग्रता परखने के लिए मुख्य परीक्षक राजू राजपूत पहुंचे। होने बच्चों की स्फूर्ति और अनुशासन की प्रशंसा करते हुए कहा कि मार्शल आर्टस केवल खेल नहीं बल्कि जीवन जीने की कला और आत्मरक्षा का सबसे सशक्त माध्यम है। इस प्रतियोगिता में करीब 60 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया।

इस अवसर पर स्कूल के प्रधानाचार्य प्रणय मनु गुप्ता ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि ताइक्वांडो जैसे खेल बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह न केवल शरीर को स्वस्थ बनाता है, बल्कि आत्मरक्षा की भावना, साहस, और आत्मविश्वास भी प्रदान करता है। स्कूल परिवार ऐसे आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक और नैतिक विकास को प्रोत्साहित करता रहेगा।

कार्यक्रम के अंत में उप प्रधानाचार्य टीकम सिंह ने कोच जीवन सिंह एवं जिला संघ सचिव श्री राजू राजपूत का धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि आर. आर. पब्लिक स्कूल सदैव विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी अग्रणी बनाने के लिए समर्पित है। इस अवसर पर स्कूल प्रबंधन समिति, प्रधानाचार्य एवं समस्त स्टाफ ने सभी खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ भेंट की।

स्लगः प्रयागराजः बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र शास्त्री ने कही हिंदू एकता की बात, कहा- ज्ञानवापी पर जल्द लहराएगा भगवा

सनी कुमार केशरवानी

प्रयागराज(वेलकम इंडिया)। अरैल घाट के निकट चल रही 'राष्ट्र हनुमंत कथा' से पहले बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने काशी, लव जिहाद, कंपनियों में भेदभाव और हिंदू एकता समेत कई मुद्दों पर बेबाक राय रखी।

काशी विश्वनाथ मंदिर का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भगवान शिव की नगरी में जो 'कलंक' लगा है, वह बहुत जल्द मिटने वाला है। शास्त्री ने भरोसा जताया कि ज्ञानवापी पर जल्द भगवा लहराएगा और वहां रुद्राभिषेक होगा। उन्होंने कहा कि उन्हें देश की न्यायपालिका और सनातनी हिंदुओं की आस्था पर पूरा विश्वास है।

विरोधियों पर कटाक्ष करते हुए राम मंदिर का उदाहरण दिया। कहा कि एक समय लोग कहते थे कि ₹पत्ता भी नहीं हिलेगा₹, लेकिन आज अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनकर तैयार है। जो लोग आज विरोध कर रहे हैं, वे कल अपनी आंखों से बदलाव देखेंगे। लेंसकार्ट जैसी कंपनियों में मजहब के आधार पर भेदभाव की खबरों पर नाराजगी जताते हुए कहा कि तीर्थ स्थलों और हिंदू कथाओं के आसपास कई मुस्लिम अपनी दुकानें चलाते हैं और हिंदू उनसे सामान खरीदते हैं। जब हिंदू किसी से भेदभाव नहीं करता तो कंपनियों को भी हिंदुओं के खिलाफ भेदभाव का अधिकार नहीं है। चेतावनी दी कि ऐसी कंपनियां सुधर जाएं, वरना भारत का कानून उन्हें सुधार देगा। साथ ही हिंदुओं से अपील की कि यदि दूसरी तरफ से ऐसा व्यवहार हो रहा है तो वे अपनी कंपनियों में केवल हिंदुओं को रोजगार दें।

महाराष्ट्र के नासिक में सामने आए 'लव जिहाद' के मामले को गंभीर बताते हुए उन्होंने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की प्रशंसा की। कहा कि वे परंपराओं के प्रति सख्त हैं और भरोसा है कि दोषियों पर कठोर कार्रवाई होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य समाज को तोड़ना नहीं बल्कि जोड़ना है। कहा, 'हमें जातियों में न बांटा जाए, हम सब हिंदू एक हैं। हम चाहते हैं कि सरकार की नीतियां और संविधान की पद्धति समानता वाली हो ताकि भारत को जातियों के भेदभाव से मुक्त रखा जा सके।' बाबा बागेश्वर ने दोहराया कि भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने की दिशा में काम जारी रहना चाहिए। इसके लिए मंदिरों में भीड़ और सड़कों पर वैचारिक क्रांति की जरूरत है ताकि 'राम राज्य' से भरा हिंदुस्तान बन सके। बरेली के एक मौलाना द्वारा किए गए विरोध के सवाल पर चुटकी लेते हुए कहा कि यह 'समय-समय का खेल है,' कुछ लोग सुर्खियों में आने के लिए ऐसे बयान देते हैं। हिंदुओं में एकता की कमी को दुर्भाग्य बताते हुए कहा कि प्रयागराज का संगम इस बात का प्रतीक है कि जब तीन नदियां एक हो सकती हैं, तो पूरा हिंदू समाज भी एक हो सकता है। उनकी कथाओं का मुख्य उद्देश्य भी हिंदू एकता ही है।

साइबर अवेयरनेस प्रोग्राम का किया गया आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन में पुलिस लाइन संतकबीरनगर में साइबर जागरूकता कार्यक्रम एवं कस्टमर एजुकेशन वर्कशॉप का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम एयरटेल कंपनी द्वारा संचालित किया गया, जिसमें प्रोसेस कंट्रोल लीडर प्रेरणा रंजन सहित उनकी टीम के सदस्य अशोक सिंह, अभिषेक सिंह, मिथिलेश यादव एवं प्रदीप कुमार उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में साइबर थाना प्रभारी निरीक्षक जयप्रकाश चौबे, उप निरीक्षक ललित कांत यादव, उप निरीक्षक जयप्रकाश यादव तथा आ0 राम प्रवेश मद्धेशिया मौजूद रहे। इस दौरान प्रशिक्षु रिक्रुट आरक्षी, साइबर थाना कर्मियों एवं लगभग 250 आम नागरिकों को साइबर अपराधों से बचाव, ऑनलाइन धोखाधड़ी की पहचान तथा सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के संबंध में विस्तृत जानकारी देकर जागरूक किया गया। पुलिस विभाग द्वारा आमजन को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करने हेतु इस प्रकार के कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जा रहे हैं।

कारोना काल के 12 दिवगंत पत्रकारों के परिवार को भी मिलेगी आर्थिक सहायताः मौ. जान तुर्की

गुलजार आलम

रामपुर(वेलकम इंडिया)। यूपी वर्किंग जर्नालिस्ट यूनियन की मांग पर सूचना निदेशक विशाल सिंह ने कोविड-19 संक्रमण में दिवंगत 12 पत्रकारों के परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए शासन से अनुरोध किया हैं।

प्रदेश सरकार पहले ही 102 दिवगंत पत्रकारों के परिवारों को दस-दस लाख रुपए की आर्थिक सहायता दे चुकी हैं। यूपी वर्किंग जर्नालिस्ट यूनियन के मंडल अध्यक्ष मौहम्मद जान तुर्की ने बताया कि यूनियन के अध्यक्ष हसीब सिद्दीकी ने अपर मुख्य सचिव सूचना एवं गृह संजय प्रसाद को पत्र लिखकर शेष 12 दिवगंत पत्रकारों के परिवारों को उक्त आर्थिक सहायता दिये जाने का अनुरोध किया गया था। उक्त पत्र का संज्ञान लेते हुए सूचना निदेशक ने शासन से तत्संबंधी धनराशि उपलब्ध कराने का अनुरोध किया हैं। यूनियन ने अपर मुख्य सचिव संजय प्रसाद और सूचना निदेशक विशाल सिंह का आभार व्यक्त किया हैं।

कमलेश प्रजापति बनी राष्ट्रीय प्रजापति महासंघ महिला प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष

नितिन शर्मा

बिजनौर(वेलकम इंडिया)। मुन्ना सिंह प्रजापति इंटर कॉलेज मिटठेपुर, स्योहारा जनपद बिजनौर में आयोजित सभा में राष्ट्रीय प्रजापति महासंघ द्वारा महिला प्रकोष्ठ का कमलेश प्रजापति को जिला अध्यक्ष बिजनौर मनोनीत किया गया।

भाजपा जिला कार्यकारिणी सदस्य, नूरपुर विधानसभा प्रभारी, पूर्व जिला मंत्री कमलेश प्रजापति निवासी नूरपुर को राष्ट्रीय प्रजापति महासंघ महिला प्रकोष्ठ का बिजनौर जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया।

यह जिम्मेदारी उनको संगठन की निष्ठा व समर्पण की भावना को देखते हुए सौपी गई है। यह खबर सुनकर कमलेश प्रजापति के समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। कमलेश प्रजापति को बधाई देने वालों का तांता लग गया। कमलेश प्रजापति ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया।

सामने से आ रही बाइक को बचाने के प्रयास में हादसा, दो युवक घायल

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। कस्बे में एक बार फिर तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने का मामला सामने आया है। सामने से आ रही बाइक को बचाने के प्रयास में असंतुलित होकर दूसरी बाइक सड़क पर गिर गई, जिससे उस पर सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। खास बात यह रही कि दोनों घायलों ने हेलमेट नहीं पहना हुआ था, जिससे उनके सिर में गंभीर चोटें आई हैं।

जनपद मुजफ्फरनगर के थाना फुगाना क्षेत्र के गांव डूंगर निवासी अंकुर पुत्र प्रेम सिंह अपने पड़ोसी मित्र पंकज पुत्र हरपाल के साथ बाइक पर सवार होकर जनपद बागपत के थाना रमाला क्षेत्र के गांव असारा किसी कार्य से गए हुए थे। कार्य समाप्त कर दोनों मित्र देर शाम अपने गांव वापस लौट रहे थे।

बताया जाता है कि जैसे ही दोनों युवक कस्बा स्थित रेलवे स्टेशन के समीप पहुंचे, तभी सामने से तेज गति से आ रही एक अन्य बाइक को बचाने के प्रयास में उनकी बाइक अचानक असंतुलित हो गई।

देखते ही देखते बाइक सड़क पर फिसलकर गिर गई और दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर मौजूद राहगीरों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को एंबुलेंस की मदद से कांधला के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने दोनों युवकों की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। समाचार लिखे जाने तक इस संबंध में थाने पर किसी भी प्रकार की तहरीर नहीं दी गई थी। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

सड़क सुरक्षा को लेकर फिर उठा सवाल

इस हादसे ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा नियमों की अनदेखी पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि दोनों युवक हेलमेट पहने होते तो संभवतः चोटें इतनी गंभीर न होतीं। पुलिस और प्रशासन लगातार हेलमेट पहनने की अपील कर रहा है, लेकिन इसके बावजूद लोग लापरवाही बरत रहे हैं।18

सड़क हादसे में एक की मौत, दूल्हा-दुल्हन समेत तीन गंभीर घायल

संतकबीरनगर। जिले के महुली थाना क्षेत्र में बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में दूल्हे के जीजा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूल्हा, दुल्हन और एक अन्य युवती गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। जानकारी के अनुसार, धनघटा थाना क्षेत्र के हैंसर निवासी अजय सोनी पुत्र रामकरन वर्मा की शादी दुधारा थाना क्षेत्र के दानोंकुइया निवासी ध्रुवचंद्र सोनी की पुत्री बबीता सोनी के साथ संपन्न हुई थी। 21 अप्रैल को बारात बस्ती जनपद के एक मैरिज हाल में गई थी, जहां विधिवत विवाह हुआ। 22 अप्रैल को विदाई के बाद दूल्हा अजय वर्मा अपने परिवार के साथ कार से घर लौट रहा था। बताया जा रहा है कि कार को दूल्हे के जीजा संतोष सोनी पुत्र शंभू सोनी निवासी पैकवालिया, थाना गौर (जनपद बस्ती) चला रहे थे। जैसे ही वाहन संतकबीरनगर के धनघटा मार्ग पर महुली थाना क्षेत्र के भगता गांव के पास पहुंचा, सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक से उसकी आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि संतोष सोनी की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं कार में सवार दूल्हा 26 वर्षीय अजय वर्मा, दुल्हन 22 वर्षीय बबीता सोनी और 20 वर्षीय नैना सोनी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और तुरंत पुलिस को सूचना दी।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को एम्बुलेंस के जरिए जिला संयुक्त चिकित्सालय भिजवाया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस दर्दनाक हादसे ने शादी की खुशियों को मातम में बदल दिया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल बना हुआ है।

मोहम्मद शफीक बने एआईएमआईएम के बस्ती जिला प्रभारी

संतकबीरनगर(वेलकम इंडिया)। आल इंडिया मजलिस इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली ने एआईएमआईएम के पूर्वांचल महासचिव मोहम्मद शफीक को बस्ती जिला प्रभारी मनोनीत किया गया है। शमशाद अहमद, पूर्व जिलाध्यक्ष मेराज खान, शहजाद अहमद, मास्टर फिरोज अहमद, सेराज खान, सहित पार्टी कार्यकताओं ने प्रसन्नता व्यक्त किये हैं।

दुकान से 20 हजार रुपये चोरी सीसीटीवी में कैद , मुकदमा दर्ज

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। कस्बे के मोहल्ला खेल निवासी एक युवक की दुकान से अज्ञात चोर ने 20 हजार रुपये चोरी कर लिए। पीड़ित ने मामले की तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कर की तलाश शुरू कर दी है। कस्बे के मोहल्ला खेल निवासी अमित उर्फ मोनू पुत्र रामेश्वर दयाल सैनी की नगर के जैन मंदिर के पास दुकान है। पीड़ित के मुताबिक विगत 20 अप्रैल की दोपहर करीब 1 बजकर 4 मिनट पर वह दुकान से शौचालय के लिए गया था। इसी दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने दुकान में रखे गल्ले से 20 हजार रुपये चोरी कर लिए। चोर के द्वारा की गई घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। कुछ देर बाद वापस लौटने पर गल्ले से रुपये गायब मिले, जिसके बाद पीड़ित ने आसपास तलाश की लेकिन कोई सुराग नहीं लग सका। पीड़ित ने थाने पहुंचकर अज्ञात के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोर की तलाश शुरू कर दी है। थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया जल्दी चोर को गिरफ्तार किया जाएगा।

थाना कोतवाली खलीलाबाद पुलिस ने युवती को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के मामले में वाँछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

संतकबीरनगर(वेलकम इंडिया)। जनपद में मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अन्तर्गत महिलाओं पर अपराधों के रोकथाम हेतु पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना द्वारा चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन व क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय के निकट पर्यवेक्षण में थाना कोतवाली खलीलाबाद अपराध निरीक्षक राकेश कुमार सिंह, हे0का0 अरविन्द कुमर यादव ने मु0अ0स0 284/2026 धारा 69,115(2),352,351(3) बीएनएस थाना कोतवाली खलीलाबाद जनपद संतकबीरनगर के मामले में वांछित अभियुक्त राहुल पुत्र लालजी निवासी जैती थाना बेलघाट जनपद गोरखपुर को बुद्धवार को कांटे चौराहा के पास से गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। विदित हो कि वादिनी ने दिनांक 17.04.2026 को थाना कोतवाली खलीलाबाद पर वादिनी के साथ उक्त अभियुक्त द्वारा शादी का झांसा देकर दुष्कर्म व मारपीट करने के सम्बन्ध में प्राप्त प्रार्थना पत्र देकर अभियोग पंजीकृत कराया गया था ।

मेरठ सेंट्रल मार्केट मामला: 1989 की अनियमितता से सुप्रीम कोर्ट के फैसले तक, अब ध्वस्तीकरण की बाध्यता

कई स्तरों पर भ्रष्टाचार और राजनीतिक संरक्षण के आरोप

उज्जवल रस्तौगी

मेरठ(वेलकम इंडिया)। मेरठ के सेंट्रल मार्केट ध्वस्तीकरण का मामला एक दिन में नहीं बना, बल्कि इसकी जड़ें वर्ष 1989 तक जाती हैं। समय के साथ यह प्रकरण कई स्तरों पर भ्रष्टाचार, अनियमितताओं और राजनीतिक हीला-हवाले के आरोपों से घिरता रहा।

अब जब मामला सुप्रीम कोर्ट के फैसले तक पहुंच चुका है, तो ध्वस्तीकरण की कार्रवाई अनिवार्य हो गई है। हालांकि, राज्य सरकार अब भी प्रभावितों को राहत दिलाने के लिए न्यायिक रास्ते तलाशने में जुटी है।

इस पूरे घटनाक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भूमिका को लेकर भी सवाल उठाए गए, जबकि सरकार का दावा है कि उन्होंने शुरूआत से ही प्रभावितों के हित में समाधान निकालने का प्रयास किया। सेंट्रल मार्केट के व्यापारियों से मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री योगी की ओर से प्रभावितों को तीन विकल्प दिए गए थे, ताकि उन्हें नुकसान से बचाया जा सके और कानूनी जटिलताओं के बीच कोई व्यवहारिक रास्ता निकले।

सरकार ने व्यापारियों को दिए थे तीन विकल्प

पहले विकल्प के तहत प्रभावितों से कहा गया था कि वे स्वयं सरकार के साथ मिलकर पक्षकार बनें, जिससे न्यायालय में उनका पक्ष मजबूत हो सके। दूसरे विकल्प में आवास विकास विभाग द्वारा निर्धारित कंपाउंडिंग शुल्क जमा करने की सलाह दी गई थी, ताकि नियमों के अनुरूप समाधान खोजा जा सके और ध्वस्तीकरण को रोक जा सके।

तीसरा विकल्प यह था कि सुप्रीम कोर्ट के संभावित रुख को ध्यान में रखते हुए सेंट्रल मार्केट को छोड़ने का निर्णय लिया जाए और सरकार की पुनर्वास योजना को स्वीकार किया जाए, जिसके तहत सभी प्रभावितों के पुनर्वास की जिम्मेदारी राज्य सरकार उठाने को तैयार थी।

नहीं बन पाई सहमति

हालांकि, इन तीनों विकल्पों पर सहमति नहीं बन सकी। इसके चलते मामला पूरी तरह न्यायालय के अंतिम निर्णय पर निर्भर हो गया। सुप्रीम कोर्ट ने नियमों और कानून के प्रावधानों का हवाला देते हुए जब ध्वस्तीकरण का आदेश दिया, तो प्रशासन के सामने इसे लागू करने की अपरिहार्य स्थिति बन गई।

सरकारों ने दिया अप्रत्यक्ष तौर पर संरक्षण

राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में भी यह मुद्दा लगातार चर्चा में है। आरोप हैं कि पूर्ववर्ती सरकारों जनता दल, समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के कार्यकाल में इस तरह के निमार्णों को न केवल नजरअंदाज किया गया, बल्कि कई मामलों में अप्रत्यक्ष तौर पर संरक्षण भी मिला।

विशेष रूप से वर्ष 2013 से 2017 के बीच ऐसे उदाहरण सामने आए, जिनमें नियमों को दरकिनार कर निर्माण कार्य होते रहे।

अब वही पक्ष वर्तमान सरकार पर सवाल उठा रहे हैं, जबकि सरकार खुद को प्रभावितों के पक्ष में खड़ा बता रही है।

सवालों के घेरे में लोकेश खुराना की भूमिका

मामले में कुछ व्यक्तियों की भूमिका को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं, जिनमें लोकेश खुराना जैसे नामों का उल्लेख किया जा रहा है, जिन पर जनहित याचिकाओं के माध्यम से ऐसे मामलों में हस्तक्षेप कर लाभ लेने के आरोप लगते रहे हैं।

अब भी कानूनी विकल्प तलाशने में जुटी है राज्य सरकार

फिलहाल, सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट आदेश के बाद सेंट्रल मार्केट का ध्वस्तीकरण टलना संभव नहीं दिख रहा, लेकिन राज्य सरकार अब भी कानूनी और प्रशासनिक स्तर पर ऐसे विकल्पों की तलाश में जुटी है, जिससे प्रभावितों को अधिकतम राहत मिल सके।

वर्षों पुराने इस विवाद का समाधान अब कानून के दायरे में ही तय होगा, लेकिन इसके सामाजिक और आर्थिक प्रभावों को कम करने की चुनौती सरकार के सामने बनी हुई है।

नवनियुक्त मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी कुशवाहा को बधाई व शुभकामनाएं दीं

नितिन शर्मा

धनौरा(वेलकम इंडिया)। ऑल इंडिया सैनी सेवा समाज के निर्वमान राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी इंद्राज सिंह सैनी के नेतृत्व में बिहार राज्य के नवनियुक्त मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी कुशवाहा को बधाई व शुभकामनाएं देने पहुंचे दिल्ली में बिहार सदन नवनियुक्त बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी (कुशवाह) को सोल ओढाकर, पटका पहनाकर, बुके देकर व भगवान श्री राम की मूर्ति स्मृति चिन्ह के रूप में भेंट कर समाज की तरफ से शुभकामनाएं एवं बधाई दी गई। इस शुभ अवसर पर राजेश सैनी निवर्तमान चेयरमैन धनोरा, विनोद सैनी मेरठ, पवन सैनी गुड़गांव, विपिन कुमार एडवोकेट गाजियाबाद, तरुण सैनी प्रधान बुलंदशहर, शिवचरण कुशवाहा दिल्ली, धर्मचंद सैनी गुड़गांव, वीर सिंह सैनी पीतमपुरा दिल्ली आदि उपस्थित रहे।

शिक्षक सम्मान समारोह सम्पन्न

वेलकम इंडिया संवाददाता

मिजार्मुराद। सेवापुरी ब्लॉक के ठठरा गांव स्थित पीएम श्री प्राथमिक विद्यालय-प्रथम के प्रांगण में मंगलवार को न्याय पंचायत स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।जिसमें कम्पोजिट स्कूल पूरे के प्रभारी प्रधानाध्यापक सैयद मोहम्मद औन को सेवानिवृत्ति के बाद सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि खण्ड शिक्षा अधिकारी सेवापुरी संजय कुमार यादव ने कहा शिक्षक कभी सेवा से मुक्त नहीं होता है बल्कि उसकी जिम्मेदारी समाज के प्रति और बढ़ जाती है।विशिष्ट अतिथि पेशे से प्रवक्ता अरविन्द सिंह पटेल ने कहा कि एक शिक्षक अपने कौशल से जज, इंजिनियर, डाक्टर प्रोफेसर बनाकर समाज की सेवा के लिए समर्पित करता है।अतिथि द्वारा मोहम्मद औन को अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह तथा अन्य वस्तुएं भेंट कर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष काशीनाथ यादव, जू०शि०संघ के ब्लाक महामंत्री शशिकांत दुबे, पी.एल.सी.सदस्य डॉ० आलोक त्रिपाठी, शिक्षिका नीलम केशरी सहित न्याय पंचायत ठठरा के सभी प्रधानाध्यापक, शिक्षक, अनुदेशक व शिक्षामित्र उपस्थिति रहे। कार्यक्रम का कुशल संचालन शिक्षक संकुल विनोद कुमार वर्मा व अध्यक्षता नोडल शिक्षक संकुल चन्द्रबली पटेल ने किया।धन्यवाद ज्ञापन प्रधानाध्यापिका रेनू गुप्ता ने किया।

जूते चप्पल की दुकान में आग लगने से भारी नुकसान

वेलकम इंडिया संवाददाता

स्याना/बुलंदशहर। स्याना में गुप्ता बूट हाउस में आग लगने से काफी बड़ा नुकसान हो गया। अंदाजा लगाया जा रहा है कि आग शॉर्ट सर्किट होने से लगी होगी।

स्याना में बुगरासी चौराहे के निकट स्थित उक्त जूते-चप्पल जूते-चप्पल की दुकान में दिन के समय आग लग गई। उक्त घटना से मौके पर लोगों के भीड़ जुट गई तथा लोगों ने आग पर काबू पाने के लिए प्रयास किए। दमकल विभाग को सूचना दी गई तथा दमकल टीम भी मौके पर पहुंच गई। फायर ब्रिगेड टीम आग बुझाने में लग गई। जबकि स्थानीय नागरिकों ने भी आग पर काबू पाने के लिए भरसक प्रयास किए। दुकान संचालक पिंटू गुप्ता के अनुसार आग से बहुत माल आग की चपेट में आकर नष्ट हो गया। लोगों में चर्चा है कि आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट हो सकता है।

एलिंगुवा पब्लिक स्कूल में मेधावियों का गरिमामय सम्मान

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुगरासी। एलिंगुवा पब्लिक स्कूल, किसौला में मंगलवार को आयोजित स्कॉलर्स अवार्ड सेरेमनी बड़े ही गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर हाईस्कूल परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले टॉपर्स एवं अन्य मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों ने विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों की प्रतिबद्धता और परिश्रम की सराहना करते हुए उत्कृष्ट परिणाम का श्रेय विद्यालय को दिया।

समारोह के दौरान प्रतिभाशाली छात्रों को ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। विद्यालय के छात्र शिवा दलाल ने 98 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि अनन्या त्यागी ने 96 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय तथा कनिक वशिष्ठ ने 95 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान हासिल किया।

इसके अतिरिक्त क्रष्टि, आदि त्यागी, शार्दूल त्यागी, प्रियांशी, अक्ष, आशी, दीपक, मनीष, हिमांशु, जॉन एमाइल, विशाखा, रुद्र, संयोग, मोहम्मद आसिम, कीर्ति एवं मयंक चौधरी सहित अन्य मेधावी विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मेधावी छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन एवं अभिभावकों के निरंतर सहयोग को दिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यालय के चेयरमैन विपिन त्यागी ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, अभिभावकों के विश्वास एवं शिक्षकों के समर्पण का समन्वित परिणाम है। उन्होंने आगामी शैक्षणिक सत्र में विद्यालय में आधुनिक तकनीकों एवं उन्नत शिक्षण संसाधनों को और सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की।

संकुल बैठक में सत्र 2026-27 हेतु किया गया मंथन

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर। तहसील क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय सिद्ध नगला में मासिक संकुल बैठक का आयोजन किया गया।बैठक की अध्यक्षता अनेक कुमार शर्मा द्वारा की गई तथा संचालन सुदेश कुमार द्वारा किया गया। बैठक के दौरान बेसिक शिक्षा परिषद की विभिन्न योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में विशेष रूप से नामांकन वृद्धि, छात्र उपस्थिति दर में सुधार तथा शैक्षिक उन्नयन से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया गया। शिक्षकों ने अपने-अपने अनुभव साझा करते हुए शिक्षण गुणवत्ता को और बेहतर बनाने हेतु सुझाव प्रस्तुत किए। इस अवसर पर शिक्षा के स्तर को सुदृढ़ करने हेतु नवीन रणनीतियों पर भी चर्चा की गई ।पीएम श्री उच्च प्राथमिक विद्यालय रिवाड़ा के प्रधानाध्यापक मनमोहन रोहिला ने सत्र 2026-27 हेतु कार्य- योजना के संबंध में चर्चा की।कार्यक्रम के अंत में प्रभारी प्रधानाध्यापक सौरभ गोयल ने सभी का आभार व्यक्त किया।बैठक का समापन सकारात्मक वातावरण में हुआ तथा सभी ने शिक्षा की गुणवत्ता को नई ऊँचाइयों तक ले जाने हेतु संकल्प किया। बैठक में दीपक भारद्वाज, अपर्णा, सुनील, पूनम रानी, निशा, बिट्टू चौधरी, मुकेश शर्मा, सोमवीर सिंह, प्रियंका, कुसुम लता समेत दर्जनों शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

नारी शक्ति वंदन बिल के समर्थन में वाराणसी में महिलाओं का उग्र प्रदर्शन, राहुल गांधी एवं अखिलेश यादव का पुतला दहन कर जताया आक्रोश

लहुराबीर से आर्य महिला कॉलेज तक निकली विशाल महिला रैली, गूंजे विरोध के नारे

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी(वेलकम इंडिया)। नारी शक्ति वंदन बिल के समर्थन में 22 अप्रैल बुधवार को लहुराबीर स्थित आजाद पार्क से आर्य महिला कॉलेज तक महिलाओं द्वारा एक विशाल जन आक्रोश रैली निकाली गई। रैली में महिलाओं ने 'नारी का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान', 'राहुल गांधी मुदार्बाद' एवं 'अखिलेश यादव मुदार्बाद' जैसे नारों के साथ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। रैली आजाद पार्क लहुराबीर से प्रारंभ होकर आर्य महिला कॉलेज तक पहुंची और पुनः आजाद पार्क आकर समाप्त हुई। समापन स्थल पर महिलाओं ने राहुल गांधी एवं अखिलेश यादव का पुतला दहन कर अपना आक्रोश व्यक्त किया। इस दौरान पूजा दीक्षित ने कहा कि नारी सम्मान के मुद्दे पर किसी भी प्रकार की राजनीति बर्दाश्त नहीं की जाएगी और महिलाओं का यह आंदोलन आगे भी जारी रहेगा। रैली में बड़ी संख्या में महिलाओं की सहभागिता रही जिससे पूरे क्षेत्र में जनआक्रोश का स्पष्ट संदेश गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से नेहा कक्कड़, विभव सिंह, सुरेखा सिंह, उषा सिंह, ममता सिंह, सुनीता सिंह, संगीता मिश्रा, शिवानी सिंह, ज्योति गुप्ता, सुष्मा सिंह, साधना सिंह, रचना अग्रवाल, अनीशा शाही, सरिका गुप्ता, उषा अग्रहरि, किरण पांडेय, करुणा चतुर्वेदी, अदिति सिंह, कीर्ति शर्मा, अंजू शर्मा सहित अनेक महिलाएं उपस्थित रहीं।

तीन शातिर चोरों को पुलिस ने गिरफ्तार, कब्जे से चोरी की बाइक व अवैध चाकू किया बरामद

वेलकम इंडिया संवाददाता

अहमदगढ़/बुलंदशहर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के कुशल निर्देशन में जनपद में अपराधों पर अंकुश लगाये जाने हेतु अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत बुधवार को थाना अहमदगढ़ पुलिस द्वारा 03 शातिर चोरों को खैलिया गेट के पास से चोरी की बाइक व 01 अवैध चाकू सहित गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों के नाम मुकेश उर्फ मुक्के उर्फ मुक्की उर्फ नरेश पुत्र कन्छी सिंह निवासी ग्राम धामिनी थाना जहांगीराबाद धीरज पुत्र मानिक चन्द निवासी ग्राम कल्याणपुर थाना अहमदगढ मोहित पुत्र लाला सिंह निवासी ग्राम उपरोक्त के रहने वाले है। गिरफतार अभियुक्तों द्वारा बरामद मोटर साइकिल को जनपद अलीगढ़ से चोरी करना बताया है। मोटरसाइकिल को ट्रैस करने का प्रयास किया जा रहा है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थाना प्रभारी निरीक्षक धर्मेन्द्र सिंह उ0नि0 रामेश्वर दयाल, उ0नि0 अनिल कुमार का0 राशिद अली, का0 संदीप कुमार, का0 राजकुमार शामिल रहे।

कृषि विज्ञान संस्थान,काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के छात्रों ने टाटा मेमोरियल कैंसर अस्पताल के लिए रक्त व प्लाज्मा का किया दान

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी(वेलकम इंडिया)। कृषि विज्ञान संस्थान,काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के छात्रों ने मानवता और सामाजिक जिम्मेदारी का परिचय देते हुए टाटा मेमोरियल कैंसर अस्पताल के मरीजों के लिए रक्त और प्लाज्मा दान किया। इस सराहनीय पहल में बीएससी एग्रीकल्चर यूजी के छात्र वीर कुमार, आयुष हीरा, महेंद्र, प्रिंस कुमार, भूपेंद्र और श्वेताभ शामिल रहे। इन छात्रों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर जरूरतमंद कैंसर मरीजों की सहायता की और समाज के प्रति अपनी संवेदनशीलता दिखाई। कैंसर के उपचार के दौरान कई मरीजों को नियमित रूप से रक्त और प्लाज्मा की आवश्यकता होती है। एक व्यक्ति के प्लाज्मा से दो बच्चों की जान बचाई जा सकती है बहुत सारे बच्चे इसके आभाव में अपनी जिंदगी खो बैठते है जो कि प्लाज्मा के उपलब्धता से बचाई जा सकती थी ऐसे में इन छात्रों का यह योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण और सराहनीय है और समाज के लोगो को भी इसमें अपनी भागीदारी दिखानी चाहिए। छात्रों ने बताया कि वे भविष्य में भी इस प्रकार के सामाजिक कार्यों में सक्रिय रूप से भाग लेते रहेंगे और अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करेंगे। यह पहल कृषि विज्ञान संस्थान के निदेशक डॉ.यूपी सिंह के प्रेरणा अंतर्गत वाराणसी हेल्प ग्रुप द्वारा आयोजित किया गया था जिसमें डिपार्टमेंट ऑफ डेयरी टेक्नोलॉजी काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर डॉ तरुन वर्मा, वाराणसी हेल्प ग्रुप के तरफ से हिमांशु गुप्ता और टाटा कैंसर अस्पताल की कर्मचारी खुशबु कुमारी ने बच्चों कों लगातार प्रोत्साहित किया। और ये न केवल मानवीय मूल्यों को दशार्ती है बल्कि समाज के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण भी प्रस्तुत करती है यह पुनीत कार्य पंडित मदन मोहन मालवीय के उन उच्च आदर्शों और विचारों को साकार करता है जिनमें शिक्षा को केवल ज्ञानार्जन तक सीमित न रखकर उसे समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण से जोड़ने पर विशेष बल दिया गया है। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना भी इसी उद्देश्य से हुई थी कि यहाँ के विद्यार्थी 'सेवा, त्याग और समर्पण' के मूल मंत्र को अपने जीवन में आत्मसात करें। आज के इस मानवीय प्रयास के माध्यम से छात्रों ने विश्वविद्यालय के मूलमंत्र 'विद्या धर्मेण शोभते' को चरितार्थ करते हुए यह सिद्ध किया है कि सच्ची शिक्षा वही है जो समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्ग के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाए।

एसपी देहात ने शिकारपुर/अहमदगढ़ दोनों थानों का किया औचक निरीक्षण

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर/बुलंदशहर। अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) अंतरिक्ष जैन द्वारा थाना शिकारपुर व थाना अहमदगढ़ का मंगलवार देर रात्रि में औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर कार्यालय अभिलेखों मालखाना हवालात शस्त्रागार रात्रि गणना एवं अन्य व्यवस्थाओं का गहनता से परीक्षण किया गया।

अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना अभिलेखों को अद्यतन रखने लंबित विवेचनाओं के शीघ्र निस्तारण अपराध नियंत्रण एवं कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

साथ ही पुलिस कर्मियों को ड्यूटी के प्रति सजग एवं अनुशासित रहते हुए आमजन से शालीन व्यवहार करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त जनसुनवाई को प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने तथा फरियादियों की समस्याओं का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए उनका त्वरित एवं निष्पक्ष निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

छात्रों ने जेईई मेंस परीक्षा में श्रेष्ठ प्रदर्शन कर एडवांस आईआईटी प्रवेश परीक्षा के लिए हुए उत्तीर्ण

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। सुरेविन इंटरनेशनल विद्यालय के मेधावी छात्रों ने जेईई मेंस परीक्षा में श्रेष्ठ प्रदर्शन कर एडवांस आईआईटी प्रवेश परीक्षा के लिए उत्तीर्ण हुए। सुरेविन इंटरनेशनल स्कूल के लिए अत्यंत हर्ष और गौरव का विषय है कि विद्यालय के मेधावी छात्रों प्रिंस पूनिया ने 92.8%, रचित जोशी 90.3%, व पृथक व प्रत्यक्ष ने जेईई मेंस (संयुक्त प्रवेश परीक्षा) में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है।

उनकी इस उपलब्धि ने न केवल विद्यालय, बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम गर्व से ऊँचा किया है। विद्यार्थियों ने इस प्रतिष्ठित परीक्षा में शानदार स्थान प्राप्त कर अपने कठिन परिश्रम, दृढ़ निश्चय और अनुशासित अध्ययन का परिचय दिया है।

उनकी सफलता उनके समर्पण, निरंतर अभ्यास तथा सकारात्मक सोच का प्रतिफल है, जिसने अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का मार्ग प्रशस्त किया है। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. सरिता सिंधु ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यार्थियों की यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि यदि विद्यार्थी लक्ष्य के प्रति समर्पित रहें और सही मार्गदर्शन प्राप्त करें, तो कोई भी मंज़िल दूर नहीं होती।

हमें उन पर अत्यंत गर्व है और हमें विश्वास है कि वे भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्टता प्राप्त करेंगे। विद्यालय के प्रबंधक श्री तुषार गुप्ता ने पृथक की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि 'यह उपलब्धि न केवल छात्रों की है, बल्कि पूरे विद्यालय परिवार की सामूहिक मेहनत और सकारात्मक वातावरण का परिणाम है।

हम सदैव विद्यार्थियों को उनके सपनों को साकार करने के लिए प्रोत्साहित करते रहेंगे।साथ ही, डॉ. शिक्षा दरबारी ने अपने संदेश में कहा कि ' छात्रों ने अपनी लगन और आत्मविश्वास से यह सिद्ध कर दिया है कि निरंतर प्रयास और सही दिशा में किया गया परिश्रम सफलता अवश्य दिलाता है। वे अन्य विद्यार्थियों के लिए एक आदर्श उदाहरण है विद्यालय परिवार ने छात्रों एवं उनके अभिभावकों को इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल एवं सफल भविष्य की कामना की है।

विद्यालय को पूर्ण विश्वास है कि पृथक आगे भी सफलता के नए आयाम स्थापित करते हुए समाज और देश का नाम रोशन करेंगे।

तुलसीराम माहेश्वरी पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों ने लिया पर्यावरण संरक्षण हेतु संकल्प

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। तुलसीराम माहेश्वरी पब्लिक स्कूल में बुधवार को विद्यालय में पृथ्वी दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नर्सरी से लेकर कक्षा 12 तक के सभी विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम के अंतर्गत शपथ ग्रहण, पोस्टर मेकिंग तथा चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। शपथ ग्रहण के दौरान विद्यार्थियों ने पृथ्वी को बचाने तथा पर्यावरण की रक्षा करने के लिए निरंतर प्रयास करने और सदैव इसकी सुरक्षा करने का संकल्प लिया। विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता दर्शाते हुए अत्यंत सुंदर और प्रेरणादायक प्रस्तुतियां दीं। इस अवसर पर विनोद महेश्वरी, गौरव माहेश्वरी एवं श्रीमती राधिका माहेश्वरी ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की तथा वे ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन हेतु बच्चों को निरंतर प्रेरित करते रहते हैं।

प्रधानाचार्या श्रीमती रजनी ओहरी ने अपने संदेश में कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करते हैं तथा उन्हें एक बेहतर भविष्य के निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं। विद्यालय परिवार को सभी प्रतिभागियों पर गर्व है। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी और संवेदनशीलता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

विद्यार्थियों को पृथ्वी को सुरक्षित और प्रदूषण रहित रखने के लिए प्रतिज्ञा कराई गई

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। ट्रिनिटी इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल अबूपुर ,मुरादनगर में पृथ्वी दिवस के अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष डॉ संदीप रुहेला प्रबन्धिका रितु गोयल के संरक्षण और प्रधानाचार्य रुपल रस्तोगी के कुशल नेतृत्व में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।जिसमें सभी विद्यार्थियों को पृथ्वी को सुरक्षित और प्रदूषण रहित रखने के लिए प्रतिज्ञा कराई गई। तत्पश्चात विद्यालय के विज्ञान संकाय के अध्यापक पंकज शर्मा ने पृथ्वी को हम किस प्रकार सुरक्षित और प्रदूषण रहित रख सकते हैं। इसके उपाय बताएं इसके अतिरिक्त विद्यालय की सभी कक्षाओं की गतिविधियां कराई गई। कक्षा प्ले से द्वितीय कक्षा तक के सभी विद्यार्थी हरे रंग के परिधान पहनकर अत्यधिक आकर्षक लग रहे हैं। सुख समृद्धि का प्रतीक हरा रंग आज बच्चों के भोजन मे भी दृष्टि पात हो रहा है। सभी कक्षाओं में पृथ्वी संरक्षण से संबंधित योजनाओं पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन हुआ।चार्ट पेपर पर रंग बिखरते नन्हे बच्चों से लेकर सीनियर विद्यार्थियों तक ने अपनी कला का प्रदर्शन किया जो कि अत्यंत ही आकर्षक रहा सीनियर कक्षाओं ने प्रयोग की हुई वस्तुओं से पुनर्निर्माण करके सुंदर व उपयोगी वस्तुएं बनाई। जूनियर कक्षाओं के स्लोगन आधारित चार्ट पेपर अत्यंत सराहनीय थे। कक्षा तीन से पांच तक के विद्यार्थियों ने विद्यालय के मैदान में पौधे रोपित किये। कुल मिलाकर पृथ्वी दिवस का कार्य क्रम रोचक और उद्देश्य पूर्ण रहा।

गाजियाबाद में अग्निशमन सेवा सप्ताह: 65 स्थानों पर जागरूकता अभियान, 7200 से अधिक लोग हुए लाभान्वित

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। अग्निशमन सेवा सप्ताह के अवसर पर कमिश्नरेट गाजियाबाद क्षेत्र में अग्निशमन एवं आपात सेवा विभाग द्वारा व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य आमजन को अग्नि सुरक्षा, आपदा प्रबंधन तथा आपातकालीन परिस्थितियों में बचाव के प्रभावी उपायों के प्रति जागरूक करना रहा। अभियान के अंतर्गत स्कूलों, कॉलेजों, अस्पतालों, औद्योगिक इकाइयों, मॉल, आवासीय सोसाइटी एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर मॉक ड्रिल, अग्निशमन उपकरणों के उपयोग का प्रदर्शन तथा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। नागरिकों, विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को आग लगने की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया, सुरक्षित निकासी, प्राथमिक सुरक्षा उपाय एवं आपातकालीन सेवाओं से संपर्क करने के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। अभियान की शुरूआत 14 अप्रैल को फायर स्टेशन वैशाली से अग्निशमन वाहनों की रैली के साथ हुई, जिसे अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (मुख्यालय) श्री केशव कुमार चौधरी द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह रैली शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जागरूकता का संदेश लेकर पहुंची। 15 से 20 अप्रैल के बीच जनपद के प्रमुख शिक्षण संस्थानों, अस्पतालों, औद्योगिक क्षेत्रों, मॉल, आवासीय सोसाइटी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार कार्यक्रम आयोजित किए गए। नेहरू वर्ल्ड स्कूल, सन वैली इंटरनेशनल स्कूल, केएन मोदी ग्लोबल स्कूल, गौर सेंट्रल मॉल, मैक्स अस्पताल, शिप्रा मॉल, यशोदा अस्पताल, मणिपाल अस्पताल सहित अनेक प्रतिष्ठित संस्थानों में विशेष प्रशिक्षण एवं मॉक ड्रिल कराई गईं। इसके अतिरिक्त औद्योगिक इकाइयों, बस डिपो, प्रेस प्रतिष्ठानों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोगों को जागरूक किया गया। झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर आग से बचाव के उपाय बताए गए। ग्रामीण क्षेत्रों में थाना मसूरी, नंदग्राम, लोनी एवं मोदीनगर क्षेत्र के गांवों में भी व्यापक स्तर पर जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। पूरे सप्ताह के दौरान कुल 65 स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित कर लगभग 7200 लोगों को अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही 50 नए अग्निसचेतक तैयार किए जाने की कार्यवाही भी प्रगति पर है। अग्निशमन विभाग द्वारा चलाया गया यह अभियान जनसुरक्षा के प्रति एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ, जिससे लोगों में आपातकालीन स्थितियों से निपटने की समझ और तत्परता विकसित हुई।

आंखों का निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। स्वामी कल्याण देव ट्रस्ट के तत्वाधान में वरदान हॉस्पिटल गाजियाबाद के सहयोग से निशुल्क आंखों का निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 145 लोगों ने अपनी जांच कराई। नवीन जायसवाल ने बताया कि प्रत्येक माह की 21 तारीख को निशुल्क मोतियाबिंद आंखों के ऑपरेशन के लिए स्वामी कल्याण देव ट्रस्ट के तत्वाधान में कैंप वरदान हॉस्पिटल गाजियाबाद के सहयोग से आयोजित हो रहा हैं।

जिसमें लगभग 145 लोगो ने अपने फ्री शुगर चेकअप व बी पी चैक कराए और मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए रजिस्ट्रेशन कराया । गाजियाबाद के स्प्रिंकल क्लब की प्रेसीडेंट श्रीमती श्रुति अग्रवाल व सेक्रेटरी श्रीमती विधि गर्ग ने भी गाजियाबाद से आकर कैंप में सहभागिता की। इस मौके पर समाजसेवी पवन सिंहल ने अपने विचार रखे ।

वरदान हॉस्पिटल गाजियाबाद से आए डॉ सुबोध गुप्ता ने लोगों को आंखों को जीवन के लिए कितनी अनमोल है, उसके बारे में जानकारी दी व आपरेशन के उपरान्त किन किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है, बताया। संस्था से सहयोगी नवीन जायसवाल, हरिओम गुप्ता , राजीव शर्मा, सतेन्द्र गौतम, पंकज कंसल , चाँदवीर चौधरी व सोनू मेडिकल वाले उपस्थित रहे।

ग्लोबल स्कूल में अर्थ डे पर रचनात्मक एवं जागरूकता गतिविधियों का सफल आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। डॉ. के. एन. मोदी ग्लोबल स्कूल में अर्थ डे के अवसर पर ईको क्लब स्थानीय स्तर पर कार्य करें, वैश्विक स्तर पर सोचें के अंतर्गत द्वारा विभिन्न पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी रचनात्मक एवं जागरूकता गतिविधियों का सफल आयोजन किया गया।कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय की प्रधानाचार्या मिसेज पूजा शर्मा द्वारा ईको-फ्रेंडली रैली को हरी झंडी दिखाकर की गई। इसके पश्चात कक्षा द्वितीय के विद्यार्थियों ने स्कूल से लेकर प्रिटी पेंगुइन स्कूल तक रैली निकाली, जिसमें उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के संदेश देते हुए जागरूकता फैलाई।

प्रिटी पेंगुइन स्कूल की हेडमिस्ट्रेस मिस प्रेरणा शर्मा ने विद्यार्थियों की रैली की सराहना की तथा वहाँ प्रस्तुत किए गए नुक्कड़ नाटक की भी खूब प्रशंसा की। इसके बाद विभिन्न कक्षाओं द्वारा क्रमबद्ध गतिविधियाँ प्रस्तुत की गईं। कक्षा प्रथम के विद्यार्थियों ने मिट्टी और बीजों की सहायता से सीड बॉल तैयार किए, जिससे उन्हें वृक्षारोपण और हरियाली के महत्व का ज्ञान हुआ। कक्षा तृतीय के विद्यार्थियों ने टी-शर्ट लीफ इम्प्रेशन पेंटिंग के माध्यम से पत्तियों से आकर्षक डिजाइन बनाकर अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। कक्षा चतुर्थ एवं पंचम के छात्रों ने एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया, जिसमें बढ़ते प्रदूषण और पृथ्वी को बचाने के उपायों को दशार्या गया। कक्षा षष्ठम के विद्यार्थियों ने पुराने समाचार पत्रों से पेपर बैग बनाकर प्लास्टिक के स्थान पर इनके उपयोग का संदेश दिया। कक्षा सप्तम एवं अष्टम के छात्रों ने पेपर प्लेट्स पर सुंदर मंडला आर्ट बनाकर पर्यावरण के अनुकूल सजावट के नए तरीके प्रस्तुत किए। प्रधानाचार्या मिसेज पूजा शर्मा ने सभी विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की और उन्हें पर्यावरण संरक्षण के लिए निरंतर जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। सम्पूर्ण कार्यक्रम अत्यंत उत्साहपूर्ण रहा और विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी करते हुए यह संदेश दिया कि हम सभी मिलकर अपनी धरती को सुरक्षित और स्वच्छ बना सकते हैं।

World Earth Day पर बच्चों ने सीखी स्वच्छता की सीख, RRR का संदेश बना प्रेरणा

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर एक विद्यालय में नन्हे बच्चों के साथ स्वच्छता विषय पर विशेष सत्र आयोजित किया गया। इस दौरान बच्चों को RRR (Reduce, Reuse, Recycle) के महत्व को सरल और रोचक तरीके से समझाया गया। कार्यक्रम में बच्चों को प्लास्टिक के उपयोग को कम करने, अपने आसपास साफ-सफाई बनाए रखने तथा कचरे का पृथक्करण करने के लिए प्रेरित किया गया। शिक्षकों ने उदाहरणों और गतिविधियों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी को बच्चों के मन में सहज रूप से स्थापित किया। इस अवसर पर उपस्थित शिक्षकों एवं आयोजकों ने कहा कि स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण की आदतें बचपन से विकसित करना बेहद आवश्यक है, ताकि आने वाली पीढ़ी एक स्वच्छ और सुरक्षित भविष्य का निर्माण कर सके। अंत में सभी बच्चों ने स्वच्छता बनाए रखने और पर्यावरण की रक्षा करने का संकल्प लिया। आइए, हम सभी मिलकर स्वच्छ और हरित गाजियाबाद के निर्माण की दिशा में अपने कदम बढ़ाएं।

पर्यावरण दिवस पर नुक्कड़ नाटक किया आयोजन,बच्चों ने दिया सुन्दर सन्देश

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। पर्यावरण दिवस पर लायंस क्लब मोदीनगर राइजिंग स्टार व द डैफोडिल्स स्कूल (गोविन्दपुरी) के संयुक्त तत्वावधान में एक नुक्कड़ नाटक प्रियदर्शी अस्पताल व तहसील में प्रस्तुत किया गया। इस नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बच्चो ने समाज में यह सन्देश देने का प्रयत्न किया कि वृक्ष है तो हम है आज हमे ऑक्सीजन पेड पौधो से मिल रही है पर यदि हमने ध्यान नही दिया तो स्तिथि बहुत भयावह रहेगी सन 1950 मे स्थिति जितनी अनुकूल थी आज धीरे धीरे उतनी ही प्रतिकूल होती जा रही है बडे बडे माल व बिल्डिंग बनाने के लिए जगलो को काटा जा रहा है शायद इसलिए प्रकृति नाराज है तभी तो आये दिन भूकम्प, बाढ, बिना मौसम की बारिश, सुनामी हो रहा है बहत ही सुन्दर सन्देश बच्चों ने दिया। प्रियदर्शी अस्पताल से डॉ. नेहा त्यागी (आई वी एफ स्पेशलिस्ट) ने पहल एक प्रयास की तरफ से खुद को प्रस्तुत किया तथा बच्चो के सुन्दर प्रदर्शन के लिए सराहा व बच्चो को कहा कि एक पेड़ जन्मदिन पर अवश्य लगाये। डा. सरिता त्यागी जी ने प्रशंसा मे छोटे छोटे बच्चों को प्यारे से उपहार दिए।वही तहसीलदार रजत सिंह जी ने बच्चों को बहुत सराहा व कहा कि आप दो बाते अवश्य अपनाये एक तो जीवन मे दस पेड़ अवश्य लगाये, दूसरा ए सी को प्रकृति के तापमान 24 पर चलाए बहुत ही सुन्दर सन्देश उन्होंने दिया। तहसील में कार्यक्रम कराने मे नितिन मेहता जी का बहुत सहयोग रहा। जिन बच्चों ने नुक्कड़ नाटक मे अपनी प्रस्तुति दी उनके नाम शिवन्या, प्राप्ति, अग्रिमा, अनत्या, अनाया, अंश, अरनव शर्मा, अवनि, अवनि देवी, आयुश, हरगुन, मयंक, मुद्रिका, निष्ठा, प्रनील, संस्कार, शिवांश, यश, ईशानी, अरनव ढाका, रूदांश, काव्यांश, तारिनी, भारगवी, विवान रहे। लांयस क्लब अध्यक्ष ला. डा. वर्षा गुप्ता व ला. डा. नीतू गुप्ता ने प्रबन्धक बंदना बधवार व उपमन्यु बधवार का व शिक्षिकाओं अदिति शर्मा, अनुराधा रावत, अंजलि कौशिक, नव्या, डा.पूजा गुप्ता, वंशिका का आभार व्यक्त किया व उनकी मेहनत को सराहा।

पृथ्वी दिवस पर पोस्टर प्रतियोगिता का किया आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। पृथ्वी दिवस पर राजकीय कन्या इन्टर कॉलेज कलछीना में छात्राओं के द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान पर चयनित छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।

प्रधानाचार्या श्रीमती नीलम यादव ने कहां कि धरती हमारी माँ जो हमें जीने के लिये संसाधन उपलब्ध कराती है आज उसे ही बचाने के लिए प्रयास करना है।।चित्रकला के माध्यम से संदेश दिया गया कि हमें ऊर्जा का सरंक्षण करना है। पेड़ लगाने हैं तो उनकी देखभाल भी करनी है। प्रदूषण बचाने के लिए पन्नी का उपयोग कम से कम करना है। पानी बचाना है ।तभी हम स्वस्थ रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम तो बुद्धि भी उत्तम होगी। कॉलेज परिसर में शिक्षिकाओं के साथ कुछ सजावटी पौधे लगाये। कार्यक्रम की सफलता में प्रधानाचार्या श्रीमती नीलम यादव,शिक्षिकाओं तथा छात्राओं की अहम् भूमिका रही। अतिथि के रूप में डाक्टर अनिला सिंह आर्य तथा डाक्टर उपेन्द्र कुमार आर्य की उपस्थिति रही।

वादी संवाद दिवस' से बढ़ा भरोसा: गाजियाबाद पुलिस ने 219 फरियादियों से किया सीधा संवाद

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। कमिश्नरेट गाजियाबाद पुलिस द्वारा जनता को त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण न्याय दिलाने के उद्देश्य से लागू की गई 'वादी संवाद नीति' के अंतर्गत आज दिनांक 22 अप्रैल 2026 को जनपद के समस्त थानों पर ह्यवादी संवाद दिवसह्ल का आयोजन किया गया। पुलिस आयुक्त महोदय के निर्देशन में प्रत्येक बुधवार को आयोजित किए जाने वाले इस विशेष दिवस का मुख्य उद्देश्य वादियों और पुलिस के बीच सार्थक संवाद स्थापित करना, पारदर्शिता बढ़ाना तथा न्याय प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाना है। इस दौरान विवेचनाधीन अभियोगों (एफआईआर/एनसीआर) एवं गुमशुदगी से संबंधित मामलों के वादियों को थानों पर आमंत्रित कर संबंधित विवेचकों के साथ उनका सीधा संवाद कराया गया। वादियों को उनकी शिकायतों की वर्तमान स्थिति एवं प्रगति से अवगत कराते हुए उनके सभी प्रश्नों का तथ्यात्मक एवं संतोषजनक उत्तर दिया गया।

कार्यक्रम के तहत आज विभिन्न जोनों में वादियों की उपस्थिति इस प्रकार रही

नगर जोन: 80 वादी
ट्रांस हिंडन जोन: 41 वादी
ग्रामीण जोन: 98 वादी

कुल मिलाकर कमिश्नरेट गाजियाबाद में 219 वादियों ने संवाद दिवस में भाग लिया। गाजियाबाद पुलिस की यह पहल आमजन में विश्वास बढ़ाने के साथ-साथ पुलिस-जन संबंधों को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।

इंदिरापुरम की हाईराइज सोसाइटी में दर्दनाक हादसा – 29वीं मंजिल से गिरकर बुजुर्ग महिला की मौत, जांच में जुटी पुलिस

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। थाना इंदिरापुरम क्षेत्र स्थित टीएनटी सोसाइटी के एमडी-3 टॉवर में आज सुबह एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां 65 वर्षीय बुजुर्ग महिला की 29वीं मंजिल से गिरकर मौत हो गई। महिला नीचे खड़ी एक कार की छत पर गिरी, जिससे मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई। जानकारी के अनुसार, मृतका अपनी बेटी और दामाद की मैरिज एनिवर्सरी के अवसर पर यहां आई हुई थीं। अचानक हुई इस घटना से परिवार और सोसाइटी के लोगों में शोक और दहशत का माहौल है। परिजनों का कहना है कि महिला अपने पति के निधन के बाद से मानसिक रूप से अस्वस्थ चल रही थीं, जिसके चलते आत्महत्या की आशंका भी जताई जा रही है। वहीं, पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि सभी संभावित पहलुओं–हादसा, आत्महत्या या अन्य कारण–को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है।

अधिकारों की हुंकार: गाजियाबाद में नारी शक्ति का उबाल, वंदन अधिनियम लागू करने की उठी जोरदार मांग

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। महिलाओं के सम्मान, अधिकार और राजनीतिक भागीदारी को मजबूती देने के उद्देश्य से गाजियाबाद में आज नारी शक्ति वंदन अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन में आ रही बाधाओं के खिलाफ सैकड़ों महिलाओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। रेलवे रोड स्थित रानी लक्ष्मीबाई प्रतिमा, चौधरी मोड़ पर आयोजित इस जन आक्रोश प्रदर्शन में महिलाओं का उत्साह, एकजुटता और दृढ़ संकल्प साफ नजर आया। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. रिचा भदोरिया और काजल त्यागी के नेतृत्व में किया गया, जिसमें विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्रों से जुड़ी महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। हाथों में तख्तियां और गूंजते नारों के बीच महिलाओं ने अपने अधिकारों को लेकर जागरूकता का परिचय दिया।

मुख्य अतिथि का बयान

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल पूर्व महापौर आशा शर्मा ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है, लेकिन कुछ राजनीतिक दल इसे भी राजनीति का विषय बना रहे हैं। उन्होंने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि महिलाओं को उनका हक देने के मुद्दे पर भ्रम और बाधाएं खड़ी की जा रही हैं, जिसे अब जागरूक महिलाएं स्वीकार नहीं करेंगी।

महिलाओं की प्रमुख मांगें

प्रदर्शन में शामिल महिलाओं ने एक स्वर में मांग की कि– नारी शक्ति वंदन अधिनियम का शीघ्र और प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए। महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित की जाए। महिला सम्मान से जुड़े मुद्दों पर स्पष्ट और ठोस नीति बनाई जाए।

नारों से गूंजा इलाका

'नारी शक्ति का अपमान नहीं सहेंगे' और 'अधिकार हमारा–संघर्ष हमारा' जैसे नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। इस प्रदर्शन में युवतियों से लेकर वरिष्ठ महिलाओं तक की सक्रिय भागीदारी ने यह संदेश दिया कि अब महिला शक्ति किसी भी प्रकार की अनदेखी या बाधा को बर्दाश्त नहीं करेगी।

पशु-पक्षी-सुरक्षित रह सके, दाना-पानी अपने घर की दीवार पर व छत पर जरूर रखे: सरदार पतविंदर सिंह

स्वस्थ शरीर के लिए गर्मी मे तोलिया, गमछा के साथ घर से बाहर निकले

वेलकम इंडिया संवाददाता

नैनी-प्रयागराज। सुविख्यात-सुप्रसिद्ध समाजसेवी व भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा काशी क्षेत्र, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सरदार पतविंदर सिंह बराबर जन जागरण कर जागरूकता कर रहे हैं कि गर्मी का तेवर शबाब पर पहुंचने लगा है पशु, पक्षियों का भी जीवन आप सबके हाथ में हैं उनके लिए दाना-पानी अपने घरों की दीवारों पर व छतों पर जरूर रखे जिससे प्राकृतिक सुरक्षित रह सके। सरदार पतविंदर सिंह ने कहा कि गर्मियों में पंछियों के लिए अपनी ओर से एक छोटा सा प्रयास करे, तेज गर्मी से तापमान बढ़ता जा रहा है तो इंसानों के साथ-साथ हमारे छोटे-छोटे पंछी भी प्यास से परेशान हो जाते हैं इसलिए हम सब मिलकर उनकी मदद करें अपने घर की छत, बालकनी या आंगन में एक छोटा सा पानी का बर्तन भर कर रखें रोजाना साफ और ताजा पानी भरे, बर्तन को ऐसी जगह रखें जहां छाया हो और पंछियों को सुरक्षित महसूस हो सके, एक कटोरा पानी पंछियों के लिए जीवन दान कर पुण्य के भागीदारी बने। दिन के समय घरों से बाहर निकलना मुश्किल होने लगा है अब हवा के गर्म थपेड़े भी परेशान करने लगे हैं हाथ, पैर और चेहरा लू के प्रभाव से झुलसने लगा है किंतु सुविख्यात-सुप्रसिद्ध समाजसेवी व भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा काशी क्षेत्र, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सरदार पतविंदर सिंह का देशप्रेम देखते ही बनता है कि जन जागरूकता पिछले 35 वर्षो से इसी तरह जब भी कोई मौसम जैसे गर्मी, बरसात, ठंडक का समय आता है निकल पड़ते हैं जन जागरूकता पर इनसे यह मतलब नहीं रहता कि मौसम कौन सा है इन्हें तो देश प्रेम की दीवानगी चढ़ी रहती है।

दोपहर के समय सूर्य की किरणें जैसे आग बरसाने लगी हैं पूर्वा 10:00 बजे ही धूप अपने पूरे तेवर में आ जाती है हाथ व पैर जलने लगता है दोपहर होते होते लोगों का घर के बाहर निकलना मुश्किल हो जाता है उस समय बाहर निकलना किसी यातना से कम नहीं होता किंतु सुविख्यात-सुप्रसिद्ध समाजसेवी व भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा काशी क्षेत्र, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सरदार पतविंदर सिंह सब स्वस्थ मंगल सुरक्षित रहे, इसके लिए कोई भी यातना सहने को हमेशा तैयार रहते हैं ऐसा इनका सामाजिक जीवन, आचरण, सामाजिक कार्य बताता हैं।

सरदार पतविंदर सिंह ने स्वस्थ शरीर के लिए गर्मी के कहर व लू से बचने के लिए भी लोगो को शीतल पदार्थ, शरबत व फल, आम का पना, गन्ने का रस, तरबूज, खरबूजा, नींबू, खीरा आदि का सहारा लेने को कहते हैं और धूप की किरणों के कहर से बचने के लिए बिना तोलिया, गमछा के साथ घर से बाहर ना निकले और पशु, पक्षियों का भी जीवन आप सबके हाथ में हैं उनके लिए दाना-पानी अपने घरों की दीवारों पर वह छतों पर रखे जिससे प्राकृतिक सुरक्षित रह सके'।

2027 मिशन पर भाजपा का फोकस: गाजियाबाद में बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने की रणनीति

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। आगामी 2027 चुनावों की तैयारियों को धार देने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने बूथ स्तर पर संगठन को सशक्त बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। इसी क्रम में गाजियाबाद महानगर कार्यालय में महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में एक अहम रणनीतिक बैठक आयोजित की गई।

बैठक का संचालन महानगर संयोजक अमित रंजन द्वारा किया गया। बैठक में महानगर के सभी 2244 बूथों पर प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए बूथ समितियों के गठन की प्रक्रिया शुरू की गई।

इसके साथ ही 362 सेक्टरों में सेक्टर संयोजक, प्रभारी और प्रवासी नियुक्त करने का कार्य भी प्रारंभ किया गया, जिससे संगठन की पकड़ जमीनी स्तर तक और सुदृढ़ हो सके।

बूथ प्रबंधन को धार देने के लिए तीनों विधानसभा क्षेत्रों में संयोजकों की जिम्मेदारी तय की गई साहिबाबाद: नागेंद्र चौहान, मुरादनगर: प्रदीप चौधरी, सदर विधानसभा: बलराम रावल।

बैठक में सभी मंडल अध्यक्षों को निर्देशित किया गया कि वे वर्तमान मतदाता सूची के आधार पर बूथ स्तर पर माइक्रो मैनेजमेंट को मजबूत करें और संगठन की पहुंच प्रत्येक मतदाता तक सुनिश्चित करें। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि मजबूत बूथ प्रबंधन ही चुनावी सफलता की असली कुंजी है, और इसी सोच के साथ यह पहल आगामी चुनावों में निर्णायक भूमिका निभाने के लिए की गई है।

अपराध पर कड़ा प्रहार: कमिश्नरेट में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक, कानून-व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। कमिश्नरेट गाजियाबाद में अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था सुदृढ़ीकरण एवं विभिन्न अभियानों की प्रगति की समीक्षा के लिए पुलिस आयुक्त द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन्स स्थित परमजीत हॉल में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भाग लेते हुए जनपद में सुरक्षा व्यवस्था को और प्रभावी बनाने पर व्यापक मंथन किया।

बैठक में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (मुख्यालय/अपराध), अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था/यातायात), समस्त जोनल पुलिस उपायुक्त, सहायक पुलिस आयुक्तगण, महिला अपराध, अपराध/खुफिया इकाई के अधिकारी एवं थाना प्रभारी उपस्थित रहे।

मुख्य बिंदु और निर्देश

लंबित मामलों के शीघ्र एवं विधिक निस्तारण पर जोर, न्यायालयीय आदेशों का समयबद्ध अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश।

ऑपरेशन प्रहार के तहत अवैध नशा, हथियार तस्करी व आपराधिक गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई की समीक्षा, भविष्य की रणनीति तय। ऑपरेशन कन्विक्शन के अंतर्गत दोषसिद्धि दर बढ़ाने हेतु साक्ष्यों को मजबूत व समयबद्ध न्यायालय में प्रस्तुत करने के निर्देश।

यक्ष एप के प्रभावी उपयोग पर बल, अपराधियों की पहचान, सत्यापन, जियो टैगिंग और निगरानी को और सुदृढ़ बनाने के निर्देश। CCTNS पोर्टल के माध्यम से विभिन्न धाराओं (BNSS) में की गई कार्यवाही की समीक्षा, डेटा अपडेट रखने के निर्देश। बीट पुलिसिंग को सक्रिय करते हुए क्षेत्र में नियमित गश्त, संदिग्ध व्यक्तियों की निगरानी और जनसंपर्क बढ़ाने पर जोर। लंबित विवेचनाओं को प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निस्तारण के निर्देश। वाहन चोरी की घटनाओं के अनावरण व बरामदगी की समीक्षा। मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला सुरक्षा, जागरूकता और संवेदनशील कार्रवाई को प्राथमिकता देने के निर्देश।

जनसहभागिता पर विशेष जोर

अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों और समाज के विभिन्न वर्गों के साथ संवाद स्थापित कर पुलिस–जन सहयोग को और मजबूत बनाया जाए। इस उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक का मुख्य उद्देश्य गाजियाबाद को और अधिक सुरक्षित, अपराधमुक्त, शांतिपूर्ण एवं नागरिक–अनुकूल बनाना है। पुलिस आयुक्त ने सभी अधिकारियों को अपराध दर में और कमी लाने तथा कानून–व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के लिए ठोस एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

ग्राम विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक: स्वच्छता, पौधारोपण और बुनियादी ढांचे पर जोर

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। मुख्य विकास अधिकारी श्री अभिनव गोपाल की अध्यक्षता में पंचायती राज विभाग की योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पंचायत भवन निर्माण एवं संचालन, पंचायत सहायकों द्वारा पंचायत सचिवालय से ई-डिस्ट्रिक्ट सेवाओं का संचालन, राष्ट्रीय राजमार्गों व जिला मार्गों के किनारे साफ-सफाई, ग्राम पंचायतों के मुख्य मार्गों और शासकीय स्थलों की स्वच्छता, अंत्येष्टि स्थल निर्माण, ऑडिट अनुपालन तथा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत ओडीएफ प्लस ग्रामों में डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन और सामुदायिक शौचालयों के संचालन सहित विभिन्न बिंदुओं पर गहन समीक्षा की गई।

बैठक में आगामी वृहद वृक्षारोपण अभियान को लेकर प्रत्येक ग्राम पंचायत में 'ग्राम वन' विकसित करने के निर्देश दिए गए। अब तक 35 ग्राम पंचायतों में इसके लिए स्थल चिन्हित किए जा चुके हैं। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि मंदिरों, अंत्येष्टि स्थलों, कब्रिस्तानों, तालाब किनारे अथवा अन्य उपयुक्त स्थानों पर मियावाकी पद्धति से अधिकतम पौधारोपण सुनिश्चित किया जाए तथा पौधों की सुरक्षा हेतु ठोस कार्ययोजना भी तैयार की जाए।

मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि इस वर्ष जनपद में 08 अंत्येष्टि स्थल, 04 पंचायत भवन, 02 पंचायत उत्सव भवन, 03 प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन यूनिट तथा 02 फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण प्रस्तावित है। साथ ही 2399 व्यक्तिगत शौचालयों का निर्माण भी कराया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि इन सभी परियोजनाओं के लिए तीन दिनों के भीतर स्थल चिन्हित कर प्रस्ताव प्रस्तुत किए जाएं तथा कोई भी पात्र व्यक्ति शौचालय सुविधा से वंचित न रहे। इसके अतिरिक्त, सभी ग्रामवासियों की फैमिली आईडी एवं किसानों की फार्मर रजिस्ट्री का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण करने तथा जनप्रतिनिधियों के आवासों पर पीएम सूर्य घर योजना के अंतर्गत सोलर प्लांट स्थापित कराने के भी निर्देश दिए गए।

मुरादनगर में कब्र खोदकर निकाला गया महिला का शव, हत्या के आरोप से मचा सनसनी

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। जनपद के मुरादनगर क्षेत्र से एक बेहद सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहाँ खिमावती कब्रिस्तान में दफन एक महिला का शव मजिस्ट्रेट के आदेश पर कब्र खोदकर बाहर निकाला गया। इस दौरान मौके पर भारी पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे, जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतका रहीसा की बड़ी बेटी मोहसीना ने अपनी सगी बहन काजल उर्फ गुड्डन और उसके पति अनीस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायतकर्ता का कहना है कि उसकी माँ की हत्या कर उसे आत्महत्या का रूप देने की साजिश रची गई। मोहसीना के अनुसार, उसकी बहन काजल ने परिवार की इच्छा के विरुद्ध प्रेम विवाह किया था और वह लगातार अपनी माँ पर गहने व नकदी देने का दबाव बना रही थी। आरोप है कि 30 मार्च की रात तक मृतका पूरी तरह स्वस्थ थीं, लेकिन अगली सुबह अचानक उनकी मौत की सूचना मिली। इसके बाद आरोपियों ने जल्दबाजी में शव को दफना दिया और पूरे मामले को आत्महत्या बताने की कोशिश की। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि आरोपियों ने फर्जी माता-पिता बनकर घर के जेवरात एक सुनार को बेच दिए। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने मजिस्ट्रेट के आदेश पर कब्र से शव को बाहर निकलवाकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। एसीपी मुरादनगर ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। रिपोर्ट के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। फिलहाल, यह मामला हत्या, लालच और पारिवारिक विवाद के गंभीर आरोपों के चलते चर्चा का विषय बना हुआ है। पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है और सच्चाई सामने आने का इंतजार है।

पीक आवर में बस अड्डों पर सख्त निगरानी, यातायात व्यवस्था सुधारने के निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। शहर में बढ़ते यातायात दबाव को देखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। इसी क्रम में पुलिस उपायुक्त यातायात श्री त्रिगुण बिसेन एवं सहायक पुलिस आयुक्त यातायात प्रथम श्री रितेश त्रिपाठी ने पीक समय में नया बस अड्डा एवं पुराना बस अड्डा क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मौके पर मौजूद यातायात कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि बस अड्डों के आसपास जाम की स्थिति न बने, इसके लिए वाहनों की सुचारु आवाजाही सुनिश्चित की जाए और नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए। अधिकारियों ने अवैध पार्किंग, ऑटो एवं ई-रिक्शा के अनियमित संचालन पर विशेष नजर रखने के निर्देश दिए। साथ ही यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर बनाने पर जोर दिया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि शहर में यातायात को सुगम और सुरक्षित बनाए रखने के लिए इस तरह के निरीक्षण आगे भी जारी रहेंगे।

गाजियाबाद में गेहूं खरीद केंद्रों का औचक निरीक्षण, किसानों को मिली पारदर्शी व्यवस्था की सौगात

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। जिलाधिकारी द्वारा जनपद गाजियाबाद के गोविन्दपुरम मंडी स्थित खाद्य विभाग एवं पी.सी.एफ. क्रय एजेंसी के गेहूं खरीद केंद्रों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान व्यवस्थाओं की गहन जांच करते हुए किसानों को मिलने वाली सुविधाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के समय खाद्य विभाग के गेहूं क्रय प्रभारी एवं क्षेत्रीय विपणन अधिकारी ने अवगत कराया कि 21 अप्रैल 2026 तक कुल 41 किसानों से 1388.50 क्विंटल गेहूं की खरीद की जा चुकी है। इसके सापेक्ष लगभग 30.53 लाख रुपये का भुगतान पीएफएमएस के माध्यम से किसानों के खातों में भेजा जा चुका है, जबकि 5.36 लाख रुपये का भुगतान प्रक्रिया में है।

खरीद केंद्र पर ई-पॉप मशीन, इलेक्ट्रॉनिक कांटा, पावर डस्टर एवं नमी मापक यंत्र सुचारु रूप से संचालित पाए गए तथा पर्याप्त मात्रा में बोरे उपलब्ध मिले। जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान दो किसानों से दूरभाष पर वार्ता कर व्यवस्था की वास्तविक स्थिति जानी। किसानों ने बताया कि उन्होंने क्रमशः 78 क्विंटल एवं 113.50 क्विंटल गेहूं विक्रय किया है और उनका भुगतान सीधे बैंक खाते में प्राप्त हो चुका है। किसानों ने खरीद प्रक्रिया को सरल एवं पारदर्शी बताते हुए किसी भी प्रकार की असुविधा से इंकार किया।

जिलाधिकारी ने जनपद के किसानों से अपील की कि वे अपने गेहूं के विक्रय हेतु खाद्य एवं रसद विभाग की आधिकारिक वेबसाइट https://fcs.up.gov.in पर पंजीकरण कराकर निकटतम खरीद केंद्रों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रुपये प्रति क्विंटल की दर से बिक्री करें। किसानों की सुविधा के लिए टोल-फ्री नंबर 8750293724 एवं 8384861596 जारी किए गए हैं। किसी भी समस्या या शिकायत के लिए किसान इन नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं या जिलाधिकारी कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से भी अपनी समस्या दर्ज करा सकते हैं।